

वर्ष-23 अंक- 29
पृष्ठ 8
बुधवार
14 अक्टूबर 2026
प्रतः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

विविध- अक्टूबर में बनाएं केरल का प्लान..

विचार- खुली आंखों से न्याय की देवी देख...

खेल- शुभमन गिल का ऐतिहासिक रिकार्ड...

ग्राम प्रहरियों का मानदेय हुआ साढ़े तीन हजार रुपये महीना

सीएम योगी ने प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय एक हजार रुपये बढ़ाने की घोषणा की

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय एक हजार रुपये बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ग्राम प्रहरियों व उनके परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये कैशलेस इलाज की सुविधा भी देने जा रही है। मानदेय में एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से अब उन्हें 2500 के बजाय 3500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इस तरह प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये की बढ़ा रही है। वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को महज 1500 रुपये मानदेय मिलता था, जिसे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 2500 रुपये किया गया था। अब जिम्मेदारी के साथ सरकार उनकी सुविधाएं भी बढ़ा रही है। ग्राम प्रहरी गांव की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी सजगता और समय पर दी गई सूचना किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। बरेली पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले जो लोग सत्ता में थे, वही लूट-खसोट भी



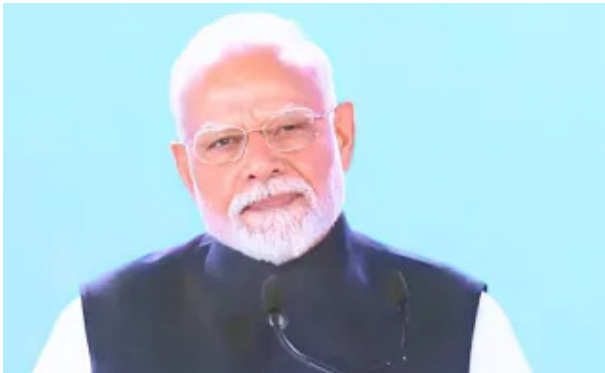
करते थे। जो रहनुमा थे, वही चोर भी थे, वही डकैती डालते थे या डलवाते थे। तो जनता किससे उम्मीद करती? पुलिस भी मौन रह जाती थी। आज उत्तर प्रदेश में अपराधियों के मन में कानून का भय है। लोग बेखौफ होकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इसका जीवंत उदाहरण है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था के प्रति देश-दुनिया की धारणा बदल चुकी है। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले या लूट-चेन स्नेचिंग करने वाले अपराधियों का गंभीर परिणाम भुगतना तय है। जिन लोगों ने बुराई पाली थी, जनता ने उनको जवाब दे दिया और जो अच्छाई लेकर के चले थे, वे प्रदेश को

भी अच्छा बनाने में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि पर मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए कहा कि घंटे का नाद भयमुक्त वातावरण पैदा करता है। जगत जननी मां भगवती का यह स्वरूप असुरों, अराजक तत्वों, दंगाइयों और आतंकियों के मन में भय पैदा करने का प्रतीक है। यह गूंज घंटे की भी हो सकती है और हमारी कड़कदार आवाज की भी। वर्ष 2017 से पहले कोई पर्व या त्योहार आने से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाता था। लोग उत्सव मनाने के बजाय अशांति की आशंका से चिंतित रहते थे। अब लोग उपद्रव भूल चुके हैं और प्रदेशभर में शारदीय नवरात्रि का आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की

भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में दर्शन कर पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने सुरक्षा की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की है। हजारों स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं और पूजा पंडालों में आस्था का उत्सव इसी सुरक्षित वातावरण का प्रमाण है। सुरक्षित उत्तर प्रदेश ने देश और दुनिया में अपनी छवि बदल दी है। पहले मुद्दीभर लोगों के अपराधों का खामियाजा प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को भुगतना पड़ता था। सबके सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर जाने पर लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर होते थे। स्थिति यह थी कि धर्मशालाओं और होटलों में कमरा मिलना मुश्किल होता था। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद सबसे बड़ी चिंता इस धारणा को बदलने की थी। आज प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने इस दिशा में सफलता हासिल की है। अब उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। जो लोग पहले यूपी से दूरी बनाते थे, आज वे उत्तर प्रदेश के करीब आना चाहते हैं। सुरक्षा का माहौल बनने से व्यापार बढ़ा

है और निवेश को प्रोत्साहन मिला है। रोजगार के अवसर बढ़े और विकास की गति तेज हुई है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि पुलिस को अच्छी ट्रेनिंग और सुविधाएं मिलें तो होमगार्ड, पीआरडी जवानों और ग्राम प्रहरियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। इन सभी को सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना आवश्यक है। वर्ष 2017 से पहले ग्राम प्रहरियों की कोई सुध लेने वाला नहीं था। उस समय प्रदेश में करीब 68 हजार ग्राम पंचायतें थीं। अनेक ग्राम पंचायतों के नगर निकायों में शामिल होने और प्रशासनिक बदलावों के बाद आज भी प्रदेश में 57,600 से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। प्रदेश में करीब 1.05 लाख राजस्व गांव हैं। इतने बड़े ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति सजग और सचेत है, तो गांव में कोई भी अप्रिय घटना होने से पहले उसकी जानकारी मिल सकती है। ग्राम प्रहरी की भूमिका यहीं से शुरू होती है। ग्राम प्रहरी अपने गांव में सजग रहकर सूचनाएं एकत्र करें।

दूसरों की कीमत पर नहीं, सबको साथ लेकर आगे बढ़ता है भारत: मोदी



नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पावर टू एम्पावर को विकास के प्रति देश का मुख्य सिद्धांत बताते हुए कहा कि भारत दूसरों की कीमत पर नहीं सबको साथ लेकर आगे बढ़ने में यकीन करता है। श्री मोदी ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि पावर टू एम्पावर का मतलब उस शक्ति से है जो न सिर्फ अपने लिए हो, बल्कि जो अपने साथ दूसरों को भी सशक्त बनाती हो। उन्होंने कहा कि खनिज, भुगतान प्रणाली और प्रौद्योगिकी जैसी जिन चीजों ने कभी दुनिया को जोड़ा था, आज उन्हीं का इस्तेमाल हथियार की तरह किया जा रहा है, दबाव और दबदबे के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी सबको साथ लेकर चलने की है। चाहे कोरोना के समय टीके की जरूरत हो या डिजिटल भुगतान के मजबूत मॉडल की या फिर प्रतिभाओं की, जरूरत के समय दुनिया ने भारत पर भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा, जब भी दुनिया को एक स्थिर स्तंभ की जरूरत होती है, भारत अपना दायित्व समझते हुए हाथ

बढ़ाता है। हम दूसरों की कीमत पर आगे नहीं बढ़ते, हम दुनिया के लिए आगे बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के सामने बड़ा सवाल भरोसे का है — आपूर्ति श्रृंखला जारी रहेगी या नहीं, साझेदार देश साथ खड़ा रहेगा या नहीं — और यहीं पर भारत एक नए मिजाज के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में पहले भी कई वैश्विक साझेदारियां बनाई गईं जिनका उद्देश्य अपने-अपने हित साधना था। वहीं, भारत ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, बिग कैट अलायंस और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मंच दिए हैं जिसमें सबको साथ लेकर चलने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा, भारत

जोड़ने पर और जुड़ने पर बल देता है। श्री मोदी ने कहा कि इसके बावजूद भारत जो करता है उसका क्रेडिट कभी नहीं चाहता। संभवतः पहली बार किसी प्रधानमंत्री की तरफ से प्लूज के लिए रॉयल्टी के उल्लेख की नजीर बनाते हुए उन्होंने कहा, भारत जो करता है उसका क्रेडिट कभी नहीं चाहता। भारत ने प्लूज दिया लेकिन कभी उसके लिए रॉयल्टी नहीं मांगता। उनके पद संभालने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में आई मजबूती का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 12-13 साल पहले चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के चार प्रतिशत से भी अधिक था। अब यह घटकर 0.61 प्रतिशत रह गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर केरल के राज्यपाल नियुक्त, अर्लेकर की जगह लेंगे

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। राज्यपालों के फेरबदल के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य ओम प्रकाश माथुर को केरल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वे राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की जगह लेंगे। केरल में नियुक्ति से पहले सिविकम के राज्यपाल रह चुके श्री माथुर का भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में लंबा करियर रहा है और उन्होंने राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई अहम पदों पर काम किया है। उनके राजनीतिक अनुभव में कई राज्यों में चुनाव प्रबंधन, राज्यसभा में दो कार्यकाल और पार्टी के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष के तौर पर काम करना शामिल है। दो जनवरी 1952 को राजस्थान के पाली जिले के बेडल गांव में जन्मे माथुर ने राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक किया। उन्होंने 1972 में प्रचारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) के साथ अपना सफर शुरू किया और 1979 तक राजस्थान के विभिन्न जिलों में काम किया। 1979 से 1989 तक उन्होंने किसान संघ व संगठन मंत्री के तौर पर काम किया। उनके आधिकारिक प्रोफाइल में यह भी दर्ज है कि आपातकाल के दौरान उन्हें 11 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद श्री माथुर राजस्थान में भाजपा के संगठनात्मक पदों पर आगे बढ़े और 1989 से 2002 तक महासचिव (संगठन) रहे। उन्होंने अखिल भारतीय सचिव और महासचिव समेत राष्ट्रीय स्तर की कई जिम्मेदारियां संभालीं और 1989 से 2024 तक पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में काम किया। उन्हें 2008 में भाजपा राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उसी साल वे राज्यसभा सदस्य के तौर पर संसद पहुंचे। उन्होंने 2008 से 2014 तक अपना पहला कार्यकाल पूरा किया और 2016 से 2022 तक दूसरे कार्यकाल के लिए उच्च संदन में लौटे; इस दौरान वे सदन की समिति के अध्यक्ष भी रहे।



पीयूष गोयल ने साधा कांग्रेस पर निशाना: कहा-

राहुल अपनी पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरा, नेतृत्व से कई नेता नाराज



रिपोर्टों को पूरी तरह नजरअंदाज करती है। उन्होंने राहुल गांधी के रवैये और संविधान के हर पहलू को कमजोर करने की कोशिश पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, कांग्रेस

के कई नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपनी बात रख रहे हैं। शशि थरूर ने खुद कहा कि एसआईआर के कारण केरल में कांग्रेस चुनाव जीती है। रमेश चेन्नैथला ने खुद कहा कि एसआईआर के कारण केरल में कांग्रेस चुनाव जीती है।

परीक्षा से ठीक पहले बनेगा प्रश्नपत्र: एआई और तकनीक से रुकेगा पेपर लीक? नीलेकणि ने सुझाया नया तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफोसिस के सह-संस्थापक और परीक्षा सुधारों के लिए गठित उच्चस्तरीय कार्यबल के प्रमुख नंदन नीलेकणि ने कहा है कि प्रश्नपत्र लीक होने की समस्या का समाधान व्यवस्थित तरीके से किया जा सकता है। इसके लिए तकनीक का इस्तेमाल करना होगा और यह समझना होगा कि आखिर प्रश्नपत्र लीक क्यों होते हैं। यह बातें उन्होंने एक मीडिया कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि यह ऐसी समस्या है, जिसका समाधान संभव है। नीलेकणि ने कहा कि सवाल यह है कि हमें प्रश्नपत्र नाम की चीज की जरूरत ही क्यों है? क्योंकि जैसे ही प्रश्नपत्र तैयार होता है, उसे बेचने का आर्थिक प्रलोभन पैदा हो जाता है। इसका तरीका यह है कि सवालों का एक बहुत बड़ा भंडार बनाया जाए और परीक्षा वाले दिन आखिरी समय में प्रश्नपत्र तैयार किया जाए। नीलेकणि से जब पूछा गया कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से परीक्षा वाले दिन प्रश्नपत्र तैयार किया जा सकता है, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इस व्यवस्था को कब और किस तरह लागू किया जाएगा। दूसरी ओर, सभी परीक्षाओं को कंप्यूटर आधारित बनाने का विकल्प भी कार्यबल के विचारधीन है। इसके लिए परीक्षा केंद्रों का नेटवर्क बढ़ाना होगा। इंफोसिस के सह-संस्थापक नीलेकणि ने बताया कि कार्यबल सभी परीक्षाओं को कंप्यूटर आधारित बनाने पर भी विचार कर रहा है। फिलहाल देश में करीब डेढ़ लाख स्थान ऐसे हैं, जहां छात्र कंप्यूटर के जरिये परीक्षा दे सकते हैं।

यूपीआई भुगतान पर दिवाली तक किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं

मुंबई, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने व्यापारियों के लिए दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को दिवाली के बाद के लिए टाल दिया है। पहले के निर्णय के अनुसार, यह शुल्क 15 अक्टूबर से लागू किया जाना था। एनपीसीआई ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि उसकी यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति ने त्योहारी मौसम को देखते हुए आज यह निर्णय लिया कि व्यक्ति से दुकानदार को (पी2एम) यूपीआई के जरिये किए जाने वाले चुनिंदा भुगतानों पर एमडीआर दिवाली के बाद लागू किया जाएगा।

भ्रष्टाचार पर वार: 20 हजार के भुगतान पर 100 रुपये सुविधा शुल्क मांगना पड़ा भारी, डाक विभाग के दो बाबू नपे

नई दिल्ली, एजेंसी। डाक विभाग के दो कर्मचारी, शशीर रुपये का सुविधा शुल्क बतौर श्रिश्चत लेने के चक्कर में नप गए। सीबीआई ने उन्हें रिश्चत लेते हुए पकड़ लिया था। लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने अब इन कार्मिकों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। दोनों में से एक कार्मिक को तीन साल की सजा व 15 हजार रुपये जुर्माना तो दूसरे को छह माह कैद और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। यह केस प्रतापगढ़ के कुंडा सब पोस्ट ऑफिस के दो डाक कार्मिकों के रिश्चत मामले से जुड़ा है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने इन आरोपियों के खिलाफ 30.11.2019 को मामला दर्ज किया था। आरोप था कि सब पोस्ट मास्टर संतोष कुमार सरोज और पोस्टल असिस्टेंट सूरज प्रसाद मिश्रा ने एक कमीशन एजेंट से गैर-कानूनी रिश्चत मांगने की आपराधिक साजिश रची थी।



आपत्ति जताई है। अब भारत सरकार ने पलटवार किया। दरअसल, चीन ने केंद्र सरकार की ओर से लद्दाख के 28



प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में युद्ध के नए तरीके सामने आ रहे हैं। ऐसे में बेहतर तैयारी, दूरदर्शिता और बदलते हालात के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सैन्य ताकत तक सीमित नहीं है। नये विचारों और प्रौद्योगिकी को व्यावहारिक समाधान में बदलने के लिए वैज्ञानिक संस्थानों और सशस्त्र बलों के बीच करीबी सहयोग जरूरी है। उन्होंने कम लागत वाली ऐसी प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी जोर दिया, जो उन्नत

रक्षा प्रणालियों की मदद कर सकें और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इस संदर्भ में उन्होंने अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना जैसी सरकारी पहलों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने बाहरी कारणों से पैदा हुई बाधाओं का सामना करने की क्षमता दिखायी है और इसके साथ ही भारत ने रणनीतिक फैसले लेने की अपनी स्वतंत्रता भी बनाये रखी है।

लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा: चीन की आपत्ति पर भारत का सख्त संदेश, कहा- किसी के इनकार से तथ्य नहीं बदल सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख में 28 प्रमुख भौगोलिक स्थानों के नाम तय करने के भारत सरकार के फैसले पर चीन ने

रणनीतिक स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय कर उन्हें आधिकारिक नक्शे में शामिल करने पर विरोध जताया था। इसके बाद भारत ने स्पष्ट किया कि चीन के इनकार से यह स्थापित तथ्य नहीं बदल सकता।

सरकार के मुताबिक, इन स्थानों के मानक नाम तय करने का उद्देश्य उनकी सही पहचान सुनिश्चित करना और आम लोगों को उनके बारे में बेहतर जानकारी देना है। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस कदम को अवैध और अमान्य बताया था। वहीं, भारत ने लद्दाख को अपना अभिन्न हिस्सा माना।

पीईटी-पीएसटी के लिए 1.97 लाख अभ्यर्थी चयनित

प्रयागराज। एसएससी ने कांस्टेबल जीडी भर्ती परीक्षा के अगले चरण के लिए चयन सूची जारी कर दी है। शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) और शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) के लिए कुल 1,97,033 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया है। इनमें 15,782 महिलाएं और 1,81,251 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। एसएससी की ओर से कांस्टेबल जीडी भर्ती की कंप्यूटर आधारित परीक्षा 27 अप्रैल से 30 मई तक आयोजित की गई थी। इसमें कुल 21,56,776 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। पुरुष अभ्यर्थियों का चयन एसएसएफ को छोड़कर अन्य बलों में राज्यवार रिक्तियों के आधार पर किया गया है। सीआरपीएफ की ओर से शारीरिक दक्षता और शारीरिक मानक परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे।

पीईटी-पीएसटी के लिए अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्यूनतम 30 प्रतिशत, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को 25 प्रतिशत और एससी, एसटी व पूर्व सैनिक श्रेणी के अभ्यर्थियों को 20 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य था।

एक ईट, एक रुपया सिद्धांत सामाजिक समानता का आधार: डॉ. नीरज

प्रयागराज। महाराजा अग्रसेन का एक ईट, एक रुपया का समाजवादी सिद्धांत सच्ची सेवा और सामाजिक समानता का आधार है। उनके बताए अहिंसा, परोपकार एवं व्यापारिक ईमानदारी के आदर्शों पर चलकर ही हम स्वस्थ, समृद्ध तथा एकजुट समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह बातें सोमवार को कस्बे में आयोजित श्रीश्री 1००8 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. नीरज अग्रवाल ने कही। कस्बे के राधा—रानी गेस्ट हाउस में जयंती समारोह में महाराजा अग्रसेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण हुआ। समाज की बुजुर्ग महिलाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। तत्पश्चात बच्चों ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोह लिया। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। संचालन मनोज मित्तल व गौरवराज अग्रवाल ने किया। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मौके पर विनय अग्रवाल, कृष्णमुरारी, सुशील, रामबाबू, श्रवण कुमार, बांके बिहारी, गोपालदास, बद्रीविशाल और हरिशंकर आदि रहे।

नवरात्र के दूसरे दिन पंडालों में गूंजे जयकारे

प्रयागराज। नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा—अर्चना धूमधाम से की गई। पूजा पंडाल भजन—कीर्तन और जयकारों से गूंज उठे। क्षेत्र के काली शक्ति पीठ करछना, भुंडा स्थित बौलिया देवी धाम, संजई के मंशा देवी धाम, रामगढ़ के शीतला धाम, घोरहट की जयरिन देवी, चकिया फुत्तेपुर के विंध्यवासिनी धाम और नारायणा स्थित नारायणी धाम समेत अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही।

जसरा बाजार में नारद मोह, मनु तपस्या से रामलीला शुरू

प्रयागराज। जसरा बाजार में पुरानी बाजार रामलीला नाट्य समिति और ईश्वर दीन छेदीलाल धार्मिक प्रतिष्ठान ने रामलीला का शुभारंभ किया। रामलीला की शुरुआत नारद मोह और मनु तपस्या के मंचन से हुई। नारद मोह में स्वयंवर में नारद को अपमानित होना पड़ा। उन्होंने क्रोधित होकर भगवान विष्णु को श्राप दिया। इसके साथ ही राजा मनु और उनकी पत्नी शतरूपा की तपस्या भी दिखाई गई। उन्होंने अपना राज्य पुत्र को सौंपकर तपस्या की थी। भगवान विष्णु का विराट स्वरूप और मनु की तपस्या विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर रतन केसरवानी, अंकुर केसरवानी, अशोक कुमार प्रबंधक और नितिन केसरवानी मौजूद रहे। अकरम अली, दीपू गुप्ता तथा संकेत यादव भी उपस्थित थे।

पाकिस्तान में फंसे नेवी अफसर विनीत, परिवार ने मदद मांगी

प्रयागराज। कस्बे के बधला गांव का एक परिवार इन दिनों मानसिक तनाव में है। मचैट नेवी के चीफ आफिसर विनीत किशोर मिश्र पाकिस्तान के कराची बंदरगाह के पास जहाज पर फंसे हैं। उनकी वतन वापसी कागजी अड़चनों और प्रशासनिक देरी के कारण अटकी हुई है। विनीत किशोर मिश्र भारत वापसी की आस में हर पल गिन रहे हैं। उनकी पत्नी नेहा मिश्रा अपने दो छोटे बच्चों के साथ दिन—रात प्रार्थना कर रही हैं। पिता के लंबे समय से घर न लौटने की खबर से बच्चे परेशान हैं। स्थानीय स्तर पर काफी लिखा—पढ़ी के बावजूद कोई रास्ता नहीं निकला। मामले की गंभीरता को देखते हुए बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने गृह मंत्री को मामले की जानकारी दी है। विधायक ने बताया कि कराची बंदरगाह के पास विनीत किशोर मिश्र विषम परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्रालय से तत्काल समन्वय स्थापित कर विनीत की सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है।

एसएसबी कमांडो के बेटे का उतराया मिला शव

प्रयागराज। दो दिन पहले लखनऊ से प्रयागराज आए डिप्लोमा के छात्र का शव हंडिया के लाक्षागृह गंगा घाट पर सोमवार सुबह उतराता मिला। छात्र मेजा के अमिलिया कला गांव का मूल निवासी था। वह लखनऊ में डीडी पंत पॉलीटेक्निक कॉलेज में डिप्लोमा द्वितीय वर्ष का छात्र था। निश्चित समय पर घर न पहुंचने पर बदहवास हालात में दारागंज थाने पहुंचे परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। हंडिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। मेजा के अमिलिया कला गांव के कुंतल कुमार भारतीय एसएसबी कमांडो हैं। इन दिनों उनकी तैनाती रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर है। इस समय वह घर पर छुट्टी लेकर आए हुए हैं। उनके दो बेटों में बड़ा बेटा कुमार गौरव (22) लखनऊ के डीडी पंत पॉलीटेक्निक कॉलेज में डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल्स) द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह नौ अक्तूबर को लखनऊ से घर के लिए ट्रेन संख्या 143०8 से रवाना हुआ था। वह प्रयागराज संगम स्टेशन पर उतरा था। पिता के मुताबिक, वह स्टेशन से उतरकर उन्हें फोन किया। बताया कि वह घर आने के लिए रैपिडो बुक कर लिया है। इसके बाद उसका फोन बंद बताने लगा। हर संभव स्थान पर की गई खोजबीन के बाद परिजनों ने दारागंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। सोमवार सुबह हंडिया के लाक्षागृह गंगा घाट पर एक शव उतराता मिला तो हंडिया पुलिस ने उन्हें जानकारी दी। पुलिस ने शव की तलाशी ली तो पैंट की जेब में मोबाइल फोन मिला। सिम निकालकर दूसरी मोबाइल फोन में लगाकर बात की गई तो शव की शिनाख्त मेजा के अमिलिया कला के छात्र कुमार गौरव के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

खाद की कालाबाजारी में एनएसए लगाना कानून का दुरुपयोग: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खाद की कालाबाजारी के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत एक साल के लिए निरुद्ध चार आरोपियों को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष कानून मौजूद है। ऐसे अपराध में निरुद्ध रखने की अवधि छह माह से बढ़ाकर एक साल करने के लिए एनएसए का इस्तेमाल करना कानून का दुरुपयोग है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने मोहम्मद हारून समेत चार की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर दिया है। 1० मई को बुलंदशहर के अनूपशहर थाना क्षेत्र में पुलिस

वाउचर नहीं थे। ट्रक चालकों ने कथित तौर पर बताया कि खाद मोहम्मद हारून की है। उसे खुले बाजार में अधिक कीमत पर बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। इसके बाद दर्ज आपराधिक

नारद मोह की रामलीला देख भावविभोर हुए दर्शक

प्रयागराज। मेवा कला गांव में चल रही रामलीला में रविवार रात कलाकारों ने नारद मोह की लीला का मनोरम मंचन किया। कामदेव पर विजय प्राप्त करने के बाद देवर्षि नारद को अहंकार हो गया। श्रीहरि ने अपनी माया से एक नगर का निर्माण कर देवर्षि के अभिमान का नाश किया। नारद का अहंकार मिटने के बाद पूरा पंडाल श्रीहरि के जयकारों से गूंज उठा। इंद्र की भूमिका में गुलाब पांडेय, शीलनिधि की भूमिका में देवी प्रसाद वैश्य और श्रीहरि की भूमिका में अविनाश शर्मा के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। इसी तरह नहवाई गांव में चल रही रामलीला में

सड़कें बदहाल, डामर गायब, गिट्टी हाजिर

प्रयागराज। क्षेत्र में जिला पंचायत की दो सड़कें ध्वस्त हैं। मरम्मत न होने से सड़कों से डामर गायब है लेकिन गिट्टियां दिख रही हैं। ऐसे में राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार की गई शिकायत के बाद भी ध्वस्त सड़कों का मरम्मत कार्य नहीं कराया जा रहा है।

मेजारोड पटेल नगर से स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क बदहाल है। यह सड़क जिला पंचायत विभाग से बनाई गई थी लेकिन मरम्मत न होने से ध्वस्त है। सड़क पर सिर्फ गिट्टियां ही दिख रही हैं। कस्बे के राजेश कुशवाहा और लवकुश तिवारी ने बताया कि इसकी शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस के अलावा जिला पंचायत के अभियंताओं से की गई लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया जा सका। अभी हाल में बारिश के दौरान इस ध्वस्त सड़क पर आक्रोशित लोगों ने विरोध स्वरूप धान की रोपाई भी कर दी थी लेकिन मरम्मत नहीं कराई जा सकी। इसके अलावा मनूकापूरा से अमिलिया कला को जोड़ने वाली

ध्वस्त सड़क पर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की बिछाई गई पाइप लाइन भी समस्या की वजह बनी है। सड़क की खोदाई कर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की पाइप लाइन भी बिछा दी गई। इससे सड़क और खराब हो गई है।

अगर, दोनों सड़कें जिला पंचायत विभाग की हैं और ध्वस्त हैं तो निश्चित रूप से प्रस्ताव पास कराकर सड़कों का मरम्मत कार्य कराया जाएगा। —आरती मिश्रा, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत प्रयागराज।

जगतपुर फ्लाईओवर के नीचे सड़क गड्ढों में बदली

क्षेत्र के जगतपुर फ्लाई ओवर के नीचे की सड़क गड्ढों

कौड़िहार सीएचसी में वायरल बुवार, सर्दी-जुकाम के मरीजों की भीड़

प्रयागराज। मौसम में उतार—चढ़ाव के कारण लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या 305 के पार पहुंच गई। यहां आने वाले अधिकांश मरीज वायरल बुखार, तेज खांसी और गले की खराश से पीड़ित हैं। चिकित्सकों के अनुसार, वायरल बुखार के मरीजों को साधारण दवाइयां से भी कई दिन राहत नहीं मिल रही है। सीएचसी कौड़िहार के अधीक्षक अमरेश वर्मा ने बताया कि यह मौसम सेहत के लिए संवेदनशील है। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी। अमरेश वर्मा ने एंटीबायोटिक दवाओं के अलावा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारा करने को फायदेमंद बताया। दिनचर्या और खान—पान में सावधानी के साथ सुबह—शाम ठंड से बचाव भी जरूरी है।

मामले के आधार पर डीएम ने चार आरोपियों के खिलाफ एनएसए के तहत निरोध आदेश पारित किए। इसके खिलाफ दाखिल याचिकाओं को स्वीकार

निरुद्ध रखने का प्रावधान है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवश्यक सेवाओं और आपूर्ति को बाधित करने वाली गतिविधियों व आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के बीच अंतर है। कालाबाजारी के मामले में विशेष

करते हुए कोर्ट ने डीएम के आदेश को रद्द कर दिया। संवाद कालाबाजारी के लिए अलग कानून

कोर्ट ने एनएसए और आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने व आपूर्ति

बनाए रखने संबंधी अधिनियम के प्रावधानों पर विचार किया। कोर्ट ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं के लिए विशेष कानून बनाया गया है, जिसमें निरुद्धकरण की अधिकतम अवधि छह माह है। इसके विपरीत, एनएसए के तहत एक साल तक निरुद्ध रखने का प्रावधान है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवश्यक सेवाओं और आपूर्ति को बाधित करने वाली गतिविधियों व आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के बीच अंतर है। कालाबाजारी के मामले में विशेष कानून के बजाय एनएसए का इस्तेमाल कर निरोध की अवधि बढ़ाना कानून की मंशा के विपरीत है। कोर्ट ने चारों बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं स्वीकार करते हुए निरोध आदेश निरस्त कर दिया।

नारद मोह की लीला के मंचन के साथ शुरू हुआ। स्थानीय कलाकारों ने अपने भावपूर्ण

अभिनय और प्रभावशाली संवादों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लीला में देवर्षि नारद की तपस्या बंग करने इंद्र ने कामदेव को भेजा, पर वे सफल नहीं हुए। तपस्या की सफलता से नारद को अहंकार हुआ, जिसे भगवान विष्णु ने अपनी माया से दूर किया। महेंद्र ने नारद और श्लोक मिश्रा ने भगवान विष्णु की भूमिका निभाई। उनके अभिनय की खूब सराहना हुई। निदेशक दिलीप केसरी और शृंगारक बबलू पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधान अमरीश जायसवाल सहित सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे।



में तब्दील हो गई है। इससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्लाई ओवर निर्माण के समय नीचे सड़क बनाने का टेंडर पास हुआ था। लेकिन ठेकेदार की मनमानी के कारण दोनों तरफ की सड़क

नहीं बनाई गई। इसी वजह से सड़क जगह—जगह गड्ढों में बदल गई है। काली सड़क का नामोनिशान भी मिट गया है। ग्रामीण जयप्रकाश सिंह ने इस समस्या पर ध्यान दिलाया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

कहीं टंकी अधूरी, कहीं दस साल से सूखे नल

प्रयागराज। जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना सुस्त रफ्तार के चलते अधर में है। पाली ग्राम पंचायत के नाम से चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गांव में करीब 3 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से बन रही पेयजल समूह टंकी का निर्माण वर्ष 2023 में शुरू हुआ था, लेकिन अब तक टंकी का ढांचा तक खड़ा नहीं हो सका है। केवल फाउंडेशन तैयार हुआ है, जबकि पाइपलाइन बिछाने का काम भी अधूरा है। इस योजना से तीन ग्राम पंचायतों के करीब 39,5०0 लोगों को पेयजल आपूर्ति होनी है। वहीं, बाबूगंज बाजार में पिछले एक दशक से पानी की सप्लाई बंद है। पाली गांव की प्रधान निशा यादव, राकेश कुमार ने बताया कि चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई, जाफरपुर उर्फ बाबूगंज और पाली गांव के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। करीब तीन करोड़ 16 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना की जिम्मेदारी एलएनटी कंपनी को मिली है। काम शुरू होने के बावजूद अब तक टंकी का ढांचा तैयार नहीं हो सका है। करीब 39,500 की आबादी को लाभ पहुंचाने वाली इस योजना में देरी से ग्रामीणों को पेयजल सुविधा के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। एक दशक से बाबूगंज बाजार में ठप है पेयजल आपूर्ति बाबूगंज बाजार के व्यापारियों के मुताबिक, यहां पिछले 1० वर्षों से पेयजल आपूर्ति बंद है। पहले पुरानी चिरौड़ा गांव में स्थित पेयजल टंकी से बाजार में पानी की सप्लाई होती थी। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद आपूर्ति बंद हो गई, लेकिन आज तक इसे बहाल नहीं किया जा सका। व्यापारी नीरज जायसवाल, राकेश केसरवानी, योगेश कुमार, राजकुमार, रामजी, देवकांत पांडेय, मनीष गुप्ता, सत्यम जायसवाल और विवेक केसरवानी आदि ने बताया कि पानी नहीं आने के कारण बाजार में पेयजल की समस्या बनी हुई है।

पेयजल समूह योजना का अभी तक करीब 50 फीसदी काम पूरा हुआ है। चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गांव में बन रही टंकी और पेयजल पाइपलाइन का काम अधूरा है। कार्यदायी संस्था एलएनटी कंपनी की ओर से पाइपलाइन बिछाने का काम कराया जा रहा है। इस पेयजल समूह से तीन ग्राम पंचायतों में पानी की आपूर्ति की जानी है। वहीं, बाबूगंज बाजार में पिछले दस वर्षों से पेयजल आपूर्ति बंद है। —बृजेश कुमार, जेई जल निगम, विकासखंड सहसों।

आशा बहुओं को मानदेय नहीं वेतन चाहिए: किरन सिंह

प्रयागराज। आशा बहुओं और संगिनियों ने सोमवार को विभिन्न मांगों को लेकर सीएचसी मेजा में धरना प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले प्रदर्शन कर दस सूत्रीय ज्ञापन डॉ. बबलू सोनकर को सौंपा। अध्यक्ष किरन सिंह ने मानदेय के बजाय वेतन देने, नियमित करने और दुर्घटना बीमा दो लाख से बढ़ाकर दस लाख रुपये करने की मांग उठाई। मांगें पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। 23 अक्तूबर को लखनऊ में धरना देने की रणनीति बनाई गई। सीएचसी के मीटिंग हॉल में ताला बंद होने पर आशा कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। डॉ. सोनकर ने ज्ञापन सीएमओ को भेजने की बात कही। धरने में दर्जनों आशा बहुएं और संगिनियां शामिल रहीं।

बेलन नदी पर बनेगा 272 मीटर लंबाई का नया पुल

प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव क्षेत्र में बेलन नदी पर रत्नौरा से बड़ोखर के बीच 272 मीटर लंबे पुल की डीपीआर तैयार कर मुख्यालय और शासन को भेजी गई है। पुल की अनुमानित लागत 31 करोड़ रुपये है और दोनों ओर एप्रोच रोड प्रस्तावित हैं। लपरी नदी पर बहरैचा—महुनी मार्ग में 90 मीटर लंबे पुल के लिए 13. 83 करोड़ रुपये का बजट मंजूर हुआ है।

कोरांव क्षेत्र में एक और नए पुल का निर्माण होने की उम्मीद जग गई है। शासन के निर्देश पर सेतु निगम प्रयागराज की ओर से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। दीर्घ सेतु (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत बेलन नदी पर रत्नौरा से बड़ोखर के बीच 272 मीटर लंबाई का पुल बनाया जाएगा।

रत्नौरा—बड़ोखर पुल की डीपीआर तैयार रत्नौरा से बड़ोखर के बीच करीब पांच सौ मीटर लंबाई का पुराना रपटा है। यह इतना नीचे है कि मानसून के सीजन में इस बार भी दो डेढ़ महीने से अधिक रपटा डूबा रहा। जिसकी वजह से 40 से अधिक गांवों की हजारों आबादी प्रभावित हुई। यहां लंबे समय से नया पुल बनाए जाने की मांग की जा रही थी। इसको देखते कोरांव के विधायक राजमणि कोल के प्रस्ताव पर शासन ने सेतु निगम को सर्वे करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। सितंबर माह के दूसरे सप्ताह से निगम के अधिकारियों ने सर्वे शुरू किया।

पांच दिनों पहले सर्वे के आधार पर तैयार डीपीआर को मंजूरी के लिए मुख्यालय भेजा गया। पुल को बनाने के लिए 31 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत रखी गई है। साथ ही रत्नौरा और बड़ोखर की ओर क्रमश रु 200—200 मीटर की एप्रोच रोड भी प्रस्तावित है। पुल का निर्माण 11 पिलर पर किया जाएगा। निगम के परियोजना प्रबंधक रोहित मिश्र ने बताया कि नदी पर पुल बनाने का डीपीआर मुख्यालय और शासन को भेजा जा चुका है। बजट की स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इसी क्षेत्र में लपरी नदी पर चार दिनों पहले बहरैचा—महुनी मार्ग पर नए पुल का निर्माण करने के लिए शासन ने 13.83 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया था। इसके लिए पहली किस्त 6.91 करोड़ रुपये की जारी भी कर दी गई है। यह पुल 90 मीटर लंबा होगा और क्रमश रु 200—200 मीटर की एप्रोच रोड भी बनाई जाएगी। पुल का निर्माण चार पिलर पर किया जाएगा।

त्योहारी सीजन में चीनी और अरहर दाल और महंगी

प्रयागराज। त्योहारी सीजन में प्रयागराज के थोक बाजार में चीनी और अरहर दाल के दाम बढ़ गए हैं। चीनी 5,6०0 रुपये और अरहर दाल 13,5०0 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गई है। खुदरा बाजार में चीनी 60 रुपये और अरहर दाल 140 रुपये प्रति किलो बिक रही है। चीनी मिलों में स्टॉक खत्म होने और अरहर की आवक घटने से कीमतों में तेजी आई है। त्योहारी सीजन में महंगाई की फिर मार पड़ी है। थोक बाजार में चीनी और अरहर दाल के दाम में उछाल आ गया है। चीनी में करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आई है तो वहीं अरहर दाल भी 500 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई है। थोक बाजार में चीनी का भाव बढ़कर 56०0 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर दाल का भाव 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया है। कीमतों में बढ़ोतरी का असर फुटकर बाजार में भी दिखने लगा है। चीनी के खुदरा भाव में 1० रुपये प्रति किलो तक की तेजी आई है, जबकि अरहर दाल 140 रुपये प्रति किलो बिक रही है। थोक विक्रेता सतीश केसरवानी ने बताया कि चीनी मिलों में स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है। नई चीनी की खेप आने में अभी करीब 15 दिन का समय लग सकता है। इसी वजह से थोक बाजार में कीमतें बढ़ी हैं। वहीं मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से अरहर की आवक कम हो गई है।

सम्पादकीय.....

सख्ती पर सवाल

कानून—व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविध ान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिाकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कोंकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह—जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिका्रियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है।लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट—परिसर के आस—पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक—अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। यह एक हकीकत है कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता का भरोसा विश्वसनीय जवाबों, खुली व निष्पक्ष जांच और संस्थागत आजादी पर ही निर्भर करता है। वहीं एक मजबूत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को लेकर संशय नहीं होना चाहिए। जरूरी है कि वह असंतुष्ट लोगों की शिकायतों को सुनें, असहमति का सम्मान करते हुए कानून—व्यवस्था बनाये रखें और अदालत के निर्देशों का सम्मान करें। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण सीमा—रेखा खींची है। इसी आलोक में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों में संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता का अतिक्रमण न हो। हालांकि, सीजेपी व विपक्ष के तेवरों को देखते हुए यह करना आसान भी नहीं होगा।

मोदी सरकार के समक्ष भरोसे का गंभीर संकट

कृष्णा झा
भारत की भाजपा सरकार अपनी वैधता के संकट का सामना कर रही है। एक दशक से ज्यादा समय से शासन की नाकामियों, आधिकारिक तौर पर इन्कार करने, सुनियोजित लूट, संस्थाओं पर हमलों, लोकतंत्र को कमजोर करने और ऐसी ही कई अन्य वजहों से पार्टी विश्वनीयता के संकट से जूझ रही है। इन सबके साथ—साथ भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के कामकाज ने भी देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। अब ऐसा समय आ गया है जब लोग भारी राजनीतिक नाराजगी से घिरे हुए हैं। जो ताकतें पहले अलग—अलग थीं और अलग—अलग मकसदों के लिए लड़ रही थीं, वे अब एक हो गई हैं और एक ही मकसद के लिए बगावत कर रही हैं, और वह मकसद है सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ आवाज उठाना। इस आंदोलन में लोगों की भागीदारी और लामबंदी भी शामिल हैं। यह भी जरूरी है कि जनमत को एकजुट किया जाए क्योंकि आम लोगों को अपनी ताकत का एहसास हो गया है। इसके अलावा, दोनों पक्षों के लिए पारदर्शिता भी होनी चाहिए। यह सच है कि ईसीआई एक संवैधानिक संस्था है, और हमारा देश लोगों की पसंद की पवित्रता बनाए रखने के लिए जाना जाता है। उनके चुने हुए प्रतिनिधि ही सरकारी तंत्र का नेतृत्व करते हैं, इसलिए लोगों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है। लेकिन लोगों का भरोसा कम हुआ है। मुद्दा सिर्फ मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का नहीं है, बल्कि अनियमितताओं, मतदाता सूची और यहां तक कि मतदान के आंकड़ों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इन सभी की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगा है। जिन लोगों के

खुली आंखों से न्याय की देवी देख रही हैं अवमानना

दो साल पहले अक्टूबर 2024 में सर्वोच्च न्यायालय में न्याय की देवी की नयी मूर्ति लगाई गई थी। जिसकी आंखों पर पट्टी नहीं थी, हाथों में दंड का प्रतीक तलवार को संविधान की किताब से बदल दिया गया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ के वक्त यह बदलाव हुआ था, उद्देश्य था कि औपनिवेशक दासता के प्रतीकों को हटाया जाए। न्याय की देवी की आंखें खुली रखकर संदेश देने की कोशिश हुई कि कानून अंधा नहीं होता। हालांकि आंखों पर पट्टी का मकसद यह बताना था कि कानून किसी को देखकर फैंसला नहीं सुनाता, निष्पक्ष होता है। मगर अब खुली आंखों से शायद न्यायपालिका में बैठे लोगों को नजर आ रहा है कि कौन मोदी—शाह के लोग हैं और कौन उनके विरोधी हैं। उसी हिसाब से फैंसले होते हैं। अगर मजबूरी में सरकार के खिलाफ फैसला देना भी पड़े तो फिर इस बात की परवाह नहीं रहती कि उस फैसले का पालन हो रहा है या खुलेआम अवमानना हो रही है। शनिवार और रविवार को यह बात और खुलकर नजर आई। शनिवार 1० अक्टूबर को कोंकरोच जनता पार्टी ने जंतर—मंतर पर फिर से प्रदर्शन का ऐलान किया था। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त

के पद से हटाने, एसआईआर को वापस लेने, 2024 से पहले की वोटर लिस्ट ही बहाल करने जैसी कई मांगों पर इस समय देशव्यापी आंदोलन चल ही रहा है। राहुल गांधी तो लगातार वोट चोरी के आरोप सबूतों के साथ लगा रहे हैं, अब इंडिया के बाकी दल भी उनके साथ आ गए हैं। पिछले हफ्ते विपक्ष के तमाम नेताओं ने किस तरह ज्ञानेश कुमार से मिलने की कोशिश की और उन्हें कैसे पुलिस ने जबरदस्ती रोका, यह सभी ने देखा है। इन लोगों ने 9 तारीख को राष्ट्रपति से भी मुलाकात की और राहुल गांधी ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें सबूत लाने भी कहा है, जो वो ले आएंगे। सोमवार 12 अक्टूबर को राहुल गांधी ने इसी मुद्दे पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से मिलने का वक्त मांगा है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को ही फिर से प्रदर्शन का ऐलान भी किया है। इधर कोंकरोच जनता पार्टी के साथ—साथ सिविल सोसायटी ने भी शनिवार को आंदोलन का ऐलान किया था, तो शुक्रवार को ही दिल्ली को बंधक बनाने का काम नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने किया था। 57 मेट्रो स्टेशन शनिवार को बंद किए गए, दिल्ली आने वाली कई ट्रेनें रद्द हो गईं, जो ट्रेनें आईं उनमें ढूँढ—ढूँढ कर

लड़की भी शामिल थी जिस पर एक पुलिस अधिकारी असिस्टेंट कमिश्नर आफ पुलिस के विवेक भगत ने तीन अक्टूबर को सड़क पर यौन हमला किया था। और उसके बाद उसके प्रमोशन का आर्डर आया। मगर सोशल मीडिया और थोड़ी सी जिन्दा बची पत्रकारिता ने इस मुद्दे को इतना उठाया कि प्रमोशन का आर्डर पेन्डिंग रखना पड़ा। सीमित सही मगर साहसिक पत्रकारिता का यह असर रविवार को भी देखने को मिला जब शनिवार को पुलिस के साथ मिलकर खुली गुंडागर्दी कर रहे चार गुंडों को पुलिस को ही गिरफ्तार करना पड़ा। यह सब गुंडे और इनके संरक्षक पहले से हाथों में लाठियां लिए वीडियो बनाकर धमकियां दे रहे थे। और 12 साल से यही कर रहे हैं। लेकिन शनिवार की घटनाएं, जो कैमरों में कैद हो गईं, उनके विडियो वायरल हो गए, उस के बाद जब खुद मोदी के समर्थक रहे लोग यह कहने कि अब तो ये हिन्‍डू लड़कियों के साथ करने लगे तब सबको एक बड़ा झटका लगा। नफरत चीज ही ऐसी है कि वह किसी एक के खिलाफ केन्द्रित नहीं रहती है। मोदी ने मुसलमानों के खिलाफ इसे लाया था। शाहीन बाग के

आदेश के पारित होने के कुछ देर बाद ही रविवार को दिन के 11 बजे के आसपास सिविल सोसायटी के लोग, वामपंथी छात्र संगठन और एनएसयूआई के कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए उतरे तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें पहले की तरह प्रताड़ित करते हुए हिरासत में ले लिया। यानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक दिन क्या कुछ घंटों के लिए भी मोदी सरकार ने नहीं माना, इसके बाद क्या फर्क पड़ता है कि न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी बंधी है या खुली है। मूर्ति तो जड़ है, लेकिन न्याय की आसंदी पर बैठे मी लॉर्ड क्या यह सब नहीं देख रहे हैं। अगर संविधान की रक्षा करने वाले सुप्रीम कोर्ट की बात ही सरकार नहीं मानेगी, बल्कि उसके आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए आम लोगों का दमन करेगी, तो फिर जनता किनसे न्याय की उम्मीद रखेगी, यह पूर्व और मौजूदा न्यायाधीशों को बताना चाहिए। जंतर—मंतर पर जुलाई में जो आंदोलन हुआ था, उसमें भी मोदी सरकार के खिलाफ ही गुस्सा था, लेकिन वह केवल परीक्षा में चोरी की नाराजगी थी, इस बार नाराजगी का दायरा बड़ा है, क्योंकि सवाल नागरिकता की चोरी का है। नरेन्द्र मोदी जानते हैं कि ६

ामेंन्द्र प्रधान की तरह ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से उनकी कुर्सी नहीं बचेगी, बल्कि मामला उनकी सत्ता के लिए संगीन हो सकता है। कौन जाने ज्ञानेश कुमार की फाइलों में ऐसे कौन से राज सुरक्षित हैं, जिन्हें मोदी कातते बाहर नहीं आने देना चाहते। इसलिए यह मामला महज एक नौकरशाह को बचाने का नहीं, अपनी सत्ता बचाने का है। वैसे भी नरेन्द्र मोदी किस तरह डरे हुए और अमेरिका के आगे दबे हुए हैं, इसका एक नमूना एलन मस्क ने दिखा ही दिया है। मस्क ने अपने ही बनाए प्लेटफार्म एक्स पर खुलेआम मुकेश अंबानी को भारत का प्रधानमंत्री लिखा है। आजाद भारत में कभी किसी विदेशी कारोबारी ने ऐसा दुस्साहस नहीं किया कि वह भारत के प्रधानमंत्री की गरिमा को ऐसे तार—तार करे। लेकिन इस बार तो मौका नरेन्द्र मोदी ने ही दिया है। पूरी भाजपा इस मुद्दे पर मुंह में दही जमा कर बैठ गई है। मोदी सरकार इस समय अपनी पूरी ताकत प्रदर्शनकारियों और निष्पक्ष पत्रकारों को कुचलने में लगा रही है। शनिवार के प्रदर्शन को कवर करने गए देशबन्धु डीबी लाइव के पत्रकार समीरात्मज मिश्र से दिल्ली पुलिस ने बदसलूकी की, यह बात कैमरे में दर्ज हुई है।

हिन्दू–मुस्लिम की राजनीति खत्म, जनता सड़कों पर

शकील अख्तर
यह प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का आखिरी दांव है और असफल जा रहा है। पूरा देश उनके खिलाफ उठ कर खड़ा हो गया है। ऐसा मोदी ने कभी सोचा नहीं था। उन्हें अपने हिन्दू–मुस्लिम अजेंडे पर बहुत भरोसा था। मगर जन आन्दोलन ही एक ऐसी चीज होता है जो हर बैरिकेड्स को तोड़ देता है। आज राजनीतिक नेता, पत्रकार और दूसरे तमाम लोग यह कह रहे हैं कि ये हिन्दू लड़कियों के साथ क्या हो रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बीजेपी आरएसएस के गुंडे शब्द का शाम को बाद में प्रयोग किया मगर बहुत सारे लोग दिन में ही यह कहने लगे थे। और ९ यान देने वाली बात यह है कि इनमें से बहुत सारे लोग मोदी समर्थक थे। पिछले एक हफ्ते से चले घटनाक्रम ने उनकी कई धारणाओं को तोड़ा है। उनमें सबसे खास यह है कि मोदी केवल मुस्लिम को टाइट करेंगे उन लोगों के लिए हर तरह की छूट और सुरक्षा है। लेकिन शनिवार को दिल्ली की सड़कों पर जो हुआ लड़कियों, छोटी–छोटी बच्चियों के कपड़े जिस तरह उतारने की कोशिश की गई, मार–पीट, गाली–गलौज उनकी कीमत लगाना इन सब के बाद वे

लोग जो सोच रहे थे कि ये हिन्दुओं की रक्षा के लिए आए हैं उनका मोहभंग हो गया। क्योंकि जितनी लड़कियों के साथ यौन दुर्व्यवहार हुआ है उनमें से लगभग सभी हिन्दू ही थीं। इससे पहले भी जन्तार मन्तार वन और उसके बाद हुई सड़क की हर दुर्व्यवहार की घटना और पकड़ के ले जाने पर थाने में जो कुछ लड़कियां और लड़कों के साथ भी हुआ वे भी वही लोग थे जिनकी रक्षा के नाम पर मोदी हर चुनाव में वोट मांगते हैं। श्मशान कब्रिस्तान तक की बातें करते हैं। पुलिस अत्याचार का शिकार लड़के— लड़कियों ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में जो बताया उसको सुनना भी मुश्किल था। अभी शनिवार को तो दिल्ली की सड़कों पर लड़कियों के साथ पुलिस की मौजूदगी में गुंडों ने कपड़े उतारने की कोशिश से लेकर हर तरह की बदतमीजी की। मगर उससे पहले इन्होंने थानों के अंदर जाकर लड़के—लड़कियों के साथ वह वह हरकतें की कि बच्चे बता नहीं पा रहे थे। लड़कों के भी कपड़े उतारे गए। जो ज्यादा विरोध कर रहा था उसे कहा गया कि तू मुस्लिम है। लड़के ने अपना नाम बताया। कहा आधार देख लो नहीं माने। लड़कियों की दुर्दशा तो आप

सुन ही नहीं सकते। इनमें वह लड़की भी शामिल थी जिस पर एक पुलिस अधिकारी असिस्टेंट कमिश्नर आफ पुलिस के विवेक भगत ने तीन अक्टूबर को सड़क पर यौन हमला किया था। और उसके बाद उसके प्रमोशन का आर्डर आया। मगर सोशल मीडिया और थोड़ी सी जिन्दा बची पत्रकारिता ने इस मुद्दे को इतना उठाया कि प्रमोशन का आर्डर पेन्डिंग रखना पड़ा। सीमित सही मगर साहसिक पत्रकारिता का यह असर रविवार को भी देखने को मिला जब शनिवार को पुलिस के साथ मिलकर खुली गुंडागर्दी कर रहे चार गुंडों को पुलिस को ही गिरफ्तार करना पड़ा। यह सब गुंडे और इनके संरक्षक पहले से हाथों में लाठियां लिए वीडियो बनाकर धमकियां दे रहे थे। और 12 साल से यही कर रहे हैं। लेकिन शनिवार की घटनाएं, जो कैमरों में कैद हो गईं, उनके विडियो वायरल हो गए, उस के बाद जब खुद मोदी के समर्थक रहे लोग यह कहने कि अब तो ये हिन्‍डू लड़कियों के साथ करने लगे तब सबको एक बड़ा झटका लगा। नफरत चीज ही ऐसी है कि वह किसी एक के खिलाफ केन्द्रित नहीं रहती है। मोदी ने मुसलमानों के खिलाफ इसे लाया था। शाहीन बाग के

आन्दोलन के समय इसे चरम पर पहुंचा दिया गया था। दिल्ली में दंगे करवाए गए। जबकि दिल्ली में ऐसा कहीं माहौल ही नहीं था। इसी हिन्दू–मुसलमान के सहारे मोदी 12 साल से राज करने में सफल रहे। मगर अब जब लोगों ने खासतौर से हिन्दुओं ने देखा कि किस तरह उनकी बच्चियों के साथ अनपढ़ गुंडे बुलाकर उनके कपड़े उतारने की कोशिश की जा रही है उनकी तीन—तीन सौ रुपए कीमत लगाई जा रही है तो वे चौंक गए। इससे पहले शाहीन बाग की औरतों के लिए भी ऐसा ही कहा गया था कि पचास—पचास रुपए देकर ६ राने पर बिठाया जा रहा है। किसान आंदोलन की महिलाओं के लिए भी। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी कहा जिससे आक्रोशित होकर सुरक्षा बल की एक महिलाकर्मी ने जो किसान की बेटी थी कंगना रनौत को चांटा भी मारा था। लेकिन अब जब सड़क पर निकलने वाली हर लड़की बच्ची को पकड़—पकड़ कर उसका चीरहरण किया जाने लगा तो लोगों के मन में मोदी भक्ति के बदले मोदी के खिलाफ आक्रोश पैदा होने लगा। हिन्दुओं की सुरक्षा के नाम पर तो मोदी आए थे। नगर नारी की सुरक्षा का भी था। मगर नारी में सब

धर्म जाति के आ जाते हैं तो उसे लोगों ने ज्यादा अपने हित वाले भाव से नहीं लिया। मगर हिन्दू खतरे में हैं और मैं उनकी रक्षा करूंगा यह बात मोदी लोगों के दिमाग में उतारने में सफल हो गए। इसलिए वे मंगल सूत्र जैसे प्रतीक बोलते हैं कि छीन कर ले जाएंगे। मगर छात्र और युवा पहले पेपर लीक पर और अब चुनाव चोरी पर जब आवाज उठाने लगे तो वही नफरत जो मुस्लिम के खिलाफ लाए थे इन बच्चों के लिए भी सामने आ गई। खासतौर से लड़कियों के। और लड़कियां भी ज्यादातर उस मध्यम वर्ग की जिनके माता—पिता सबसे ज्यादा मोदी से प्रभावित हुए थे। नेहा वोरा के बारे में आप लोगों को मालूम होगा कि उसके माता—पिता दोनों मोदी समर्थकों में आते हैं। लेकिन अब जब उनकी लड़की के साथ और दूसरी लड़कियों के साथ एक से एक गलत व्यवहार होता है तो अभी तक मोदी का समर्थन कर रहे लोगों के दिमाग में भी सवाल आता है कि हमारे साथ भी वैसा ही व्यवहार। नेहा वोरा इस आन्दोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। निर्भय और प्रतिबद्ध। उसकी हिम्मत सबने देख ली। जब सीजेपी के सब बड़े नेता घोषणा करके दिल्ली

आए और जाहिर है कि उसके बाद उन्हें पकड़ा ही जाना था, के बरअक्स नेहा शनिवार को अचानक सड़क पर आई और हिरासत में लिए जाने से पहले अपना प्रतिरोध दर्ज कराया। जब सरकार इतनी जातिम हो तब प्रतिरोध इसी तरह छापेमारी के अंदाज में किया जाता है। राहुल ने चार दिन लगातार दिल्ली में यही किया। और उससे पहले पेपर लीक के मुद्दे के समय भी। खैर हम फिलहाल सीजेपी (काक्रोच जनता पार्टी) पर बात नहीं कर रहे हैं। लोग टकराव की बात कर रहे हैं। लेकिन हमारा मानना है कि आन्दोलनों के विभिन्न रूप होने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। जनता अपने आप पहचान जाती है कि कौन उसके लिए ईमानदारी से लड़ रहा है और कौन बेवजह दूसरे पर सवाल उठा रहा है। राहुल किसी पर सवाल नहीं उठा रहे। उन पर जो लोग सवाल उठा रहे हैं वे दिखने में चाहे मोदी के विरोध में दिखें मगर राहुल पर सवाल उठा कर वे अप्रत्यक्ष रूप मोदी की ही मदद कर रहे हैं। अर राहुल ही मैनेज हो जाएं तो फिर मोदी के लिए कोई समस्या बचती ही नहीं है। राहुल ही एकमात्र मोदी के लिए चौलेंज है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

पंचवामर छंद में मां की वन्दना

गदा त्रिशूल धारिणी प्रसीद सिंह वाहिनी, सती सुधा सुहासिनी नमामि धर्मधारिणी तुन्हें धरा पुकारती दया करो मां तारिणी, नमामि चण्डनाशिनी नमामि मुण्ड धारिणी ।।

नमामी मातु चण्डिके भजामि शोक नाशिनी, नमामि मातु अम्बिके अभीष्ट सिद्धिदायिनी। विशाल रूप धारिणी कराल रूप धारिणी, निशुम्भ शुम्भ मर्दिनी तु रक्तबीज नाशिनी ।६।

नमामि मातु वैष्णवी भजामि विंध्य वासिनी, भजामि दुर्ग नाशिनी भजामि दुर्गदारिणी। सुबुद्धि बुद्धि कीजिए मां काम क्रोध नाशिनी ।।

सुयोग योग कारिणी त्रिदेव शक्ति धारिणी, जलोदरी शिवा प्रिये अचिन्त्य रूप धारिणी। महाबला महातपा कलेश द्वेष दोहिनी, प्रसीद मातु भाविनी प्रसीद विश्व मोहिनी ।।

संगीता ‘सुमन’ प्रयागराज

मतदान के अधिकार छीने गए, उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। उदाहरण के लिए, बिहार में 17 लाख और बंगाल में 91 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। ये सब मनमानी ढंग से नाम हटाने के मामले हैं। देश में ऐसा संकट पहले कभी नहीं देखा गया। बुनियादी चींों की कमी है। अधिकारिक तौर पर इन्कार करने, संस्थाओं पर हमलों और लोकतंत्र को कमजोर करने की वजह से सत्ताधारी भाजपा की वैधता पर सवाल उठने लगे हैं। पारदर्शिता लगभग न के बराबर है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों—सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी— ने ईसीआई के कामकाज से जुड़े कई मुद्दों पर आपत्ति जताते हुए 14 सवाल उठाए थे। बिना उद्देश्य बताए ही फैसले लिए गए और निर्देश जारी किए गए। ये कदम नाम हटाने और दोबारा जोड़ने, मतदाताओं के निबंधन के फार्म और तरीके में बदलाव और चुनावी डेटाबेस में सुधार के संदर्भ में उठाए गए थे। ईसीआई ने इन आरोपों पर कोई आपत्ति नहीं जताई, लेकिन कहा कि उसके ज्यादातर फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। मौजूदा संकट की जड़ में देशव्यापी एसआईआर है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें ईसीआई मतदाता सूची की दोबारा जांच करता है और जिन मतदाताओं के नामों पर सवाल उठता है, उनसे लिस्ट में बने रहने के लिए अपनी पात्रता साबित करने को कहता है। एसआईआर ने 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के ड्राफ्ट से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटा दिए हैं। इस बात की बहुत कम उम्मीद है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं, उनमें से ज्यादातर लोग दोबारा सूची में शामिल हो पाएंगे। कुछ नाम तो वापस जुड़ जाएंगे, लेकिन

ज्यादातर लोग बिना अपनी किसी गलती के सूची से बाहर ही रह सकते हैं। अगर एसआईआर प्रक्रिया और ईसीआई के काम करने के तरीके को ऐसे ही चलने दिया गया, तो इससे भारत में चुनावी लोकतंत्र की बुनियाद खत्म हो जाएगी। यहां तक कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के तरीके में भी भारत की चुनावी व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। चुनाव आयुक्तों को चुनने वाली तीन सदस्यीय समिति में प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दबदबा होता है। यह सत्ताधारी पार्टी और उस संस्था के बीच मिलीभगत की चिंताजनक संभावना की ओर इशारा करता है, जिसे उससे स्वतंत्र होना चाहिए। सिद्धांत के तौर पर, सरकार और ईसीआई के बीच एक दूरी होनी चाहिए। इसके बजाय, समिति का गठन ऐसा है कि सरकार के दो सदस्य, तीसरे अकेले सदस्य यानी विपक्ष के नेता पर हावी रहते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि ईसीआई के कामों और चुनाव आयुक्तों के बचाव में भाजपा के सार्वजनिक बयानों से ऐसा लगता है कि कोई भी सुरक्षा घेरा (फायरवॉल) मौजूद ही नहीं है। असल में, चुनावी निष्पक्षता को लेकर विवाद एसआईआर से पहले से ही चल रहा है, हालांकि एसआईआर ने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। बिहार में जून 2025 में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही विपक्षी पार्टियां मतदाता सूची, मतदान के आंकड़ों और चुनाव आयोग के कामकाज में गड़बड़ी के आरोप लगा रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मनमाने ढंग से नाम हटाए गए, संदिग्ध तरीके से मतदाता जोड़े गए और मतदान प्रतिशत में गड़बड़ियां थीं। इन सभी को विपक्ष ने श्वोट चोरीच कहा।



टेलीविजन सुपरस्टार दिव्यांका त्रिपाठी ने पति विवेक दहिया के साथ जुड़वां बेटों के जन्म के बाद रियलिटी शो श्पति पत्नी और पंगाश के साथ काम पर लौटने की चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे के जन्म के बाद आसानी से वापसी (बाउंस बैक) जैसी कोई चीज नहीं होती। एक खास बातचीत में, एक्ट्रेस ने अपनी प्रोफेशनल जिम्मेदारियों और मां होने के फर्ज के बीच तालमेल बिठाने के बारे में बात की। उन्होंने माना कि अपने बच्चों को दो-चार मिनट के लिए भी छोड़ना मुश्किल हो गया है क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आस-पास की चीजों को जानने-समझने लगे हैं। दिव्यांका, जिन्होंने अपने नवजात बच्चों की देखभाल की जरूरतों को पूरा करते हुए काम फिर से शुरू किया है, ने बताया कि जैसे-जैसे उनके जुड़वां बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल करना एक अलग अनुभव बनता जा रहा है। हालांकि अभी बच्चे ज़्यादातर समय सोते और दूध पीते हुए बिताते हैं लेकिन उन्हें पता है कि उनके विकास का अगला चरण नई चुनौतियां लेकर आएगा। इस स्टेज पर बच्चों को संभालना असल में आसान होता है क्योंकि वे सोते और दूध पीते हैं। लेकिन मुझे पता है कि घुटनों के बल चलने (क्रॉलिंग) का स्टेज भी आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू भी कर दिया है। मेरे लिए उन्हें दो-चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए, मुझे उन्हें

सेट पर साथ ले जाना पड़ता है। यह आसान नहीं है, इनमें से कुछ भी आसान नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने इस बात पर हैरानी जताई है कि वह कितनी जल्दी काम पर लौट आई हैं। मैंने पहले भी हमेशा यही कहा है कि महिलाएं बस आसानी से श्वापसीश नहीं करतीं। ऐसा कुछ नहीं होता। देखिए, आप कैमरे के सामने काम कर सकते हैं और हम अपना काम कर रहे हैं लेकिन मुश्किलें भी होती हैं। शरीर में दर्द होता है, दिमाग में धुंधलापन होता है और फिर भी हम जानते हैं कि हमें काम करते रहना है। हो सकता है कि हमें इतनी जल्दी काम पर लौटने की जरूरत न हो, लेकिन हम ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने के मामले में महिलाओं की एक-दूसरे से तुलना नहीं की जानी चाहिए। यह बताते हुए कि हर किसी के हालात अलग-अलग होते हैं, उन्होंने महिलाओं को सलाह दी कि वे किसी और के अनुभव से दबाव महसूस करने के बजाय अपनी यात्रा पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा, मैं यह इसलिए कह रही हूँ ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी महिला से न करे और कहे, शरें, दिव्यांका ने तो कर दिखाया। नहीं, यह हर किसी के लिए मुश्किल होता है। हर कोई अपनी रफ्तार से काम पर लौटता है। इसलिए बस अपनी रफ्तार से आगे बढ़ें और मैं भी अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही हूँ। दिव्यांका ने उस सपोर्ट सिस्टम को भी याद किया जिसने

मां बनने के बाद आसान नहीं होता काम पर आना, जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद दिव्यांका त्रिपाठी का छलका दर्द, महिलाओं को दी सलाह

दिव्यांका, जिन्होंने अपने नवजात बच्चों की देखभाल की जरूरतों को पूरा करते हुए काम फिर से शुरू किया है, ने बताया कि जैसे-जैसे उनके जुड़वां बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल करना एक अलग अनुभव बनता जा रहा है।

इस दौर से गुजरने में उनकी मदद की। उन्होंने अपने परिवार और पति विवेक को साथ देने और माँ बनने और काम संभालने का आत्मविश्वास देने का श्रेय दिया। उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत हिम्मत दिखा रही हूँ लेकिन यह हिम्मत मुझे विवेक से मिलती है। वह मेरे साथ खड़े रहते हैं। मेरा परिवार मुझसे कहता है, तुम इसे संभाल लोगी। सब हो जाएगा। यह मत सोचो कि तुम्हें इंतजार करना चाहिए, अगर इंतजार करती रहोगी तो कभी शुरू नहीं कर पाओगी। मुझे यह भी लगता है कि काम करना हमारी मानसिक सेहत के लिए अच्छा है। आपके साथ रहना मेरी मानसिक सेहत के लिए अच्छा है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि दिव्यांका और विवेक 26 मई, 2026 को जुड़वां बेटों के माता-पिता बने और सोशल मीडिया पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए फैंस के साथ यह खुशी की खबर साझा की। इस जोड़े ने 8 जुलाई, 2016 को शादी करने के लगभग 10 साल बाद अपने बेटों के आने की घोषणा की।

महावीर जैन फिल्म्स पेश करेगी सिंपल सुनी की ‘लम्बोधरा 2.0’, हिंदी और कन्नड़ में होगी रिलीज

कन्नड़ सिनेमा की साईंस-फिक्शन सोशल थ्रिलर फिल्म ‘लम्बोधरा 2.0’ को महावीर जैन फिल्म्स का साथ मिल गया हैनिर्देशक सिंपल सुनी की इस फिल्म को अब हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म 20 नवंबर, 2026 को हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आधुनिक तकनीक और इंसानी खुशी से जुड़े सवालों को दिलचस्प अंदाज में पेश किया जाएगा। ‘लम्बोधरा 2.0’ की सबसे खास बात इसमें एक असली ह्यूमनॉइड रोबोट जिया का नजर आना है। बेंगलुरु की कंपनी मचानी रोबोटिक्स ने इस रोबोट को तैयार किया है। फिल्म में जिया सिर्फ तकनीक का प्रदर्शन नहीं, बल्कि कहानी का एक अहम हिस्सा है। मेकर्स का दावा है कि यह भारतीय सिनेमा में अपनी तरह का अनोखा प्रयोग है। फिल्म के कॉन्सेप्ट और इसकी मैकिंग से प्रभावित होकर निर्माता महावीर जैन ने इसे हिंदी में भी रिलीज करने का समर्थन दिया है। निर्देशक सिंपल सुनी ने इस सहयोग पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि फिल्म में खुशी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंसानी जिंदगी पर तकनीक के प्रभाव को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी एक तकनीक आधारित ‘हैप्पीनेस चौलेंज’ के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें हिस्सा लेने वालों को बड़े इनाम का वादा किया जाता है। हालांकि, इस चौलेंज के जरिए



लोगों की भावनाओं और उनके व्यवहार पर नजर रखी जाती है और उन्हें प्रभावित भी किया जाता है। इस अनोखी कहानी के जरिए फिल्म सोशल मीडिया पर मिलने वाली मान्यता, डिजिटल लत, AI के बढ़ते दखल और इंसान की स्वतंत्र सोच जैसे मुद्दों को उठाती है। फिल्म में सरप्रेस, हास्य और भावनात्मक पहलुओं का भी मेल देखने को मिलेगा। ‘लम्बोधरा 2.0’ की कहानी अनिल शेट्टी ने लिखी है और वह इसके निर्माता भी हैं। इसी फिल्म से वह बतौर लीड एक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। उनके साथ कुणाल कपूर, साची बिंद्रा, मेघना गांवकर और मैक डिसूजा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संतोष राय पथाजे ने संभाली है, जबकि इसका संगीत वीर समर्थ ने तैयार किया

है। फिल्म के निर्देशक सिंपल सुनी ने टीम के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ‘लम्बोधरा 2.0. खुशियां लोड हो रही हैं...’ महावीर जैन फिल्म्स इससे पहले ‘ऊंचाई’, ‘राम सेतु’, ‘गुड लक जेरी’ और ‘बिन्नी एंड फैमिली’ जैसी फिल्मों से जुड़ी रही है। इसके आगामी प्रोजेक्ट्स में सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनने वाली ‘प्रेम मोल लिया’, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आएंगे, के अलावा ‘नागजिला’, ‘व्हाइट’ और ‘रामबोला’ शामिल हैं। ‘लम्बोधरा 2.0’ के जरिए महावीर जैन फिल्म्स कन्नड़ सिनेमा की एक अलग तरह की कहानी को हिंदी दर्शकों तक पहुंचाने जा रही है। अब देखना होगा कि एआई, रोबोटिक्स और इंसानी भावनाओं के मेल वाली यह फिल्म दर्शकों को कितना पसंद आती है।



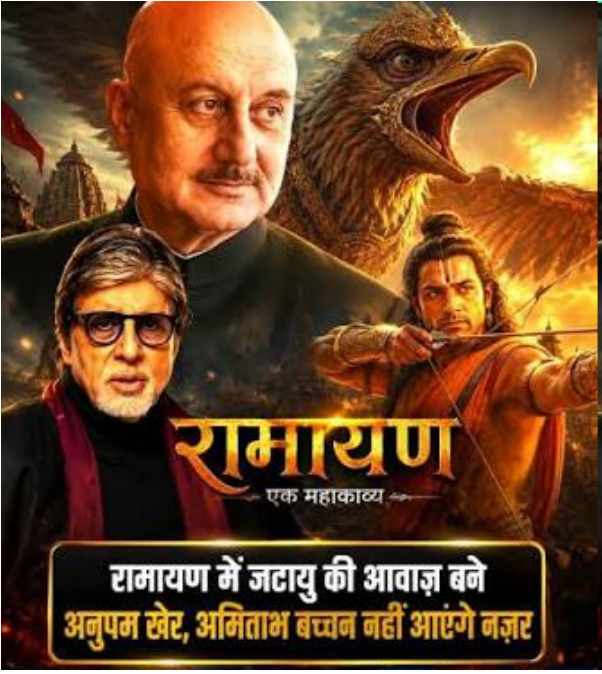
स्टार कपल विजय रिलीज का इंतजार कर रहे देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने सुबह-सुबह मंगलवार सुबह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। अपनी आने वाली फिल्म रणबाली की

और अपने पसंदीदा स्टार्स की एक झलक पाने के लिए जमा हुए फैंस का गर्मजोशी से हाथ हिलाकर अभिवादन किया। मंदिर में जाते समय कपल का विनम्र और खुशमिजाज अंदाज लोगों का

शादी के बाद पहली बार तिरुपति बालाजी के दरबार पहुंचे रश्मिका-विजय, पारंपरिक लुक में खींचा सबका ध्यान

ध्यान खींच रहा था। इस मौके के लिए, विजय देवरकोंडा ने पूरी तरह से सफेद पारंपरिक पोशाक पहनी थी, जबकि रश्मिका

है, आंध्र प्रदेश की तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित एक पवित्र हिंदू तीर्थ स्थल है। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार, भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। रश्मिका और विजय का यह मंदिर दौरा, चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ उनकी हालिया मुलाकात के ठीक बाद हुआ। फिल्म वारिसु में थलपति विजय के साथ काम कर चुकी रश्मिका ने कहा कि उनके लिए उनकी कउपतंजपवद (प्रशंसा) समय के साथ-साथ बदली है-पहले उनकी फैन होने से लेकर उनके साथ काम करने और अब मुख्यमंत्री के तौर पर उनके सफर को देखने तक। सोशल



‘रामायणम’: अनूपम खेर की आवाज में सुनाई देगा जटायु का साहस, ‘रामायणम’ से सामने आया नया पोस्टर

नितेश तिवारी की फिल्म ‘रामायणम’ को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के मेकर्स ने अब जटायु का नया पोस्टर जारी किया है। रामायण के इस महत्वपूर्ण किरदार को दिग्गज अभिनेता अनूपम खेर अपनी आवाज देंगे। पोस्टर में जटायु का प्रभावशाली रूप देखने को मिल रहा है, जो उनके साहस, बलिदान और धर्म के प्रति अटूट विश्वास की याद दिलाता है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे सितारों से सजी यह फिल्म दो भागों में रिलीज की जाएगी। ‘रामायणम’ के मेकर्स किरदारों के पोस्टर जारी कर फिल्म की दुनिया की झलक दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। इसी कड़ी में जटायु का नया पोस्टर सामने आया है। पोस्टर में उनके चेहरे का क्लोज-अप नजर आता है, जिसमें उनकी गंभीर आंखें और प्रभावशाली व्यक्तित्व ध्यान खींचते हैं। एक अन्य दृश्य में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए दिखाई देते हैं। पोस्टर को ‘धर्म के पंख’ नाम दिया गया है। इसके जरिए जटायु के साहस, दृढ़ संकल्प और सही के पक्ष में खड़े होने के उनके फैसले को दर्शाया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा कि जब अधर्म ने उड़ान भरी, तब साहस उसका सामना करने के लिए खड़ा हुआ। जटायु ने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही का साथ देने के लिए युद्ध किया। फिल्म में जटायु के किरदार को अनूपम खेर अपनी आवाज देंगे। उनकी आवाज के जरिए इस महत्वपूर्ण पात्र की वीरता, निष्ठा और बलिदान को पर्दे पर उकेरने की कोशिश की जाएगी। रामायण की कथा में जटायु का विशेष स्थान है। जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें अपने साथ ले जा रहा होता है, तब जटायु उसे रोकने के लिए आगे आते हैं। रावण की ताकत से परिचित होने के बावजूद जटायु पीछे नहीं हटते और माता सीता को बचाने के लिए उससे मुकाबला करते हैं। उनका यह प्रयास धर्म की रक्षा और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि रामायण की कथा में जटायु का प्रसंग साहस और निस्वार्थ बलिदान की याद दिलाता है। ‘रामायणम’ में भारतीय सिनेमा के कई बड़े कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। फिल्म को भारतीय महाकाव्य रामायण की कहानी पर भव्य सिनेमाई रूप देने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसका निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के सहयोग से किया है। फिल्म में बड़े स्तर के विजुअल इफेक्ट्स और भव्य प्रस्तुति देखने को मिलने की उम्मीद है। मेकर्स के मुताबिक, ‘रामायणम’ दो भागों में दर्शकों के सामने आएगी। फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित है, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। पहले भाग की एडवांस बुकिंग दशहरे के अवसर पर शुरू करने की योजना भी साझा की गई है।

मीडिया पर अपना अनुभव शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, इतने लंबे समय बाद @actorvijay सर से मिलने गई। जब से मुझे याद है, तब से उनकी फैन होने से लेकर सर के साथ काम करने का मौका मिलने और आज मुख्यमंत्री के तौर पर उनकी तारीफ करने तक! उनका सफर वाकई कमाल का है! आपको हमेशा बहुत सारा प्यार और शुभकामनाएं। विजय देवरकोंडा ने भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से मिलने का अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने इस मुलाकात को यादगार बताया और उस गर्मजोशी का जिक्र किया जिसके साथ उनका और रश्मिका का स्वागत किया गया। उन्होंने लिखा, प्यारे थलपति विजय सर के साथ बहुत अच्छा समय बिताया। दिन भर की थकान के बावजूद उन्होंने बहुत प्यार से हमारा स्वागत किया और जिंदगी, काम और दुनिया के बारे में अपनी निजी बातें शेयर कीं। बस एक मुलाकात और सर मेरे पसंदीदा बन गए। काम की बात करूं तो, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही फिल्म रणबाली में साथ नजर आएंगे। यह पहली फिल्म है जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना फरवरी 2026 में अपनी शादी के बाद साथ काम करेंगे।



अक्टूबर में बनाएं केरल का प्लान, पार्टनर संग इन शांत और खूबसूरत जगहों पर करें रोमांस

केरल के हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे ज्यादा कपल्स को आकर्षित करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अक्तूबर के महीने में कई कपल्स केरल में रोमांटिक छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्य में घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले लोग केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर तट पर स्थित केरल एक खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। केरल के हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे ज्यादा कपल्स को आकर्षित करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अक्तूबर के महीने में कई कपल्स केरल में रोमांटिक छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ टॉप क्लास जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

जब भी केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले अल्लेप्पी का नाम लेते हैं। अल्लेप्पी अपनी मेहमान नवाजी और खूबसूरती के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन में भी शामिल है।

अल्लेप्पी सबसे ज्यादा सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीजेच के लिए जाना जाता है। समुद्र तट के किनारे कई ऐसे विला और रिसॉर्ट है, जोकि कपल्स का शानदार मेहमान नवाजी करते हैं। बीच के किनारे आप खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का मजा ले सकते हैं। साथ ही आप पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

केरल का मुन्नार एक्सप्लोर करने के लिए तो लगभग हर कोई जाता है। लेकिन अगर आप मुन्नार की भीड़—भाड़ से दूर किसी खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, तो वायनाड एक परफेक्ट जगह है।

यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा चाय—काफी के बागान, शानदार वॉटरफॉल और हरियाली के लिए फेमस है। यहां पर आपको कई ऐसे विला और रिसॉर्ट मिल जाएंगे, जहां पर आप हसीन पल बिता सकते हैं। वायनाड में आप कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी रोमांटिक जगहों पर घूम सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक कोवलम अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर साल के हर महीने देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। कोवलम सबसे ज्यादा प्राकृतिक सुंदरता और अधिक समुद्री तटों के लिए जाना जाता है। यहां कई कपल्स हवा बीच, कोवलम बीच और लाइट हाउस बीच के किनारे हनीमून मनाने के लिए पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से बेस्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का धार्मिक और ऐतिहासिक शहर भी माना जाता है। इस शहर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने को मिलेगा। आप यहां पर अथिरापल्ली झरना और वड़ाकुमनाथन मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।



बच्चे अपने स्वास्थ्य के लेकर ज्यादा सतर्क नहीं होते ऐसे में माता—पिता को उनका खास ख्याल रखना पड़ता है। खासकर बच्चों के लिए क्या चीजें जरूरी है इस बात को लेकर माता—पिता को ज्यादा अलर्ट होना पड़ता है। जैसे—जैसे बच्चा बड़ा होने लगता है उसके शरीर को पोषक तत्वों की जरुरत भी होने लगती है। खासकर अगर आपका बच्चा 6 महीने का हो गया है तो आप उसे ठोस आहार दे सकते हैं। वैसे पेरेंट्स आमतौर पर बच्चों को मूंग दाल की खिचड़ी या फिर दलिया देते हैं लेकिन आप अपने बच्चे को बाजरे के खिचड़ी बनाकर दे सकते हैं। इसमें विटामिन—बी, फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है यह सारे पोषक तत्व बच्चों के लिए बहुत ही आवश्यक होते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बाजरे की खिचड़ी बच्चे को खिलाने के क्या—क्या फायदे होंगे...

खून की कम होगी दूर

बहुत से बच्चे एनीमिया का शिकार हो जाते हैं ऐसे में आप उन्हें बाजरे की खिचड़ी खिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला आयरन उनके शरीर में एनीमिया की कमी पूरी करेगा।

मजबूत बनेगी हड्डियां

बाजरे की खिचड़ी खाने से बच्चे की हड्डियां मजबूत होती हैं। इसमें कैल्शियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो बच्चे की हड्डियों का विकास करने में मदद करता है। इसके अलावा बाजरे की खिचड़ी देने से बच्चे की हड्डियां भी मजबूत होती हैं।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

बाजरे की खिचड़ी देने से बच्चों को पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। इसमें पाया जाने वाला फाइबर बच्चों के पाचन को दुरुस्त रखता है। इसके अलावा बच्चे को पेट में अपच, कब्ज, गैस और बदहजमी जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

मसल्स ग्रोथ

छोटे बच्चों को बाजरे की खिचड़ी खिलाने से उनकी



धोती कुर्ता इस फेस्टिव और वेडिंग सीजन में फिर से ट्रेंड में है, जो आपको स्टाइलिश और क्लासी लुक देगा। यह ड्रेस खास फंक्शन्स और पार्टियों के लिए परफेक्ट है, जिससे आप एलिगेंट और अट्रैक्टिव दिखेंगी और लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के लिए इसे ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकती हैं। फेस्टिवल सीजन चल रहा है, इसके बाद शादियों का सीजन भी शुरू हो जाएगा। ऐसे में अपनी आउटफिट को शओये—होयेश्वनाने के लिए आप ट्रेंडी धोती कुर्ता ड्रेस खरीद सकती हैं। एक बार फिर से ट्रेंड में आ गया है धोती कुर्ता ड्रेस। किसी भी खास फंक्शन या पार्टी में चार चांद लगने के लिए यह ड्रेसेस एकदम परफेक्ट है। इस लेख में हम आपको ट्रेंडी धोती ड्रेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप त्योहार से लेकर शादी के सीजन में भी पहन सकती है।

हल्दी से सिर्फ उबटन ही नहीं, बनाया जा सकता है सीरम भी, जानें किस तरह बनाएं इसे

स्किन की नमी को बनाए रखने के लिए हम सभी तरह—तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं और इनमें से सीरम भी एक है। आजकल मार्केट में अलग—अलग ब्रांड्स के महंगे सीरम मिलते हैं, जो आपकी स्किन का बेहतर ख्याल रखने का वादा करते हैं। हालांकि, इनसे आपकी स्किन को कुछ खास फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन इन सबमें आपके काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप घर पर ही सीरम बनाएं और इसके लिए आप अपनी किचन में मौजूद मसालों की मदद ले सकती हैं। जी हां, हल्दी स्किन के लिए किसी औषधि से कम नहीं है।

दादी—नानी अक्सर अपने नुस्खों में हल्दी का इस्तेमाल करती थीं। हल्दी ना केवल स्किन की रंगत निखारती है, मुंहासों को शांत करती है और दाग—धब्बों को धीरे—धीरे हल्का करती है। आप हल्दी की मदद से घर पर ही सीरम बनाकर अपनी स्किन को पैम्पर कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप हल्दी की मदद से घर पर ही सीरम किस तरह बनाकर तैयार कर सकती हैं—

हल्दी सीरम बनाने के लिए क्या चाहिए

— आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर

— 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

— 1 छोटा चम्मच गुलाब जल

— आधा छोटा चम्मच विटामिन ई ऑयल

— 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन या जोजोबा ऑयल



रोजाना खिलाएं छोटे बच्चे को बाजरे की खिचड़ी, बचपन से मजबूत बनेगी मांसपेशियां

मसल्स ग्रोथ में भी मदद मिलती है। बाजरे में प्रोटीन पाया जाता है जो बच्चे की मांसपेशियों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसके अलावा बाजरे में फास्फोरस की मात्रा भी काफी अच्छी पाई जाती है जो टिश्यू को ठीक करने में भी सहायता करती है।

होगा बच्चे का विकास

बाजरे की खिचड़ी बच्चे को देने से उनका विकास भी



पलोरल प्रिंटेड रेगुलर कुर्ती धोती सेट

अगर आप किसी खास फंक्शन में शामिल होने जा रही हैं, तो आप स्टाइलिश और ट्रेंडी पलोरल प्रिंटेड कुर्ती धोती सेट पहन सकते हैं। यह ड्रेस एकदम क्लासी लुक देगी। इस तरह की ड्रेस आपकी खूबसूरती में एलिगेंट टच देगी। इसको आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगह से खरीद सकते हैं।

अनारकली स्टाइल में कुर्ती धोती सेट

त्योहार से लेकर किसी खास फंक्शन में आप पलोरल प्रिंटेड टाई—अप अनारकली कुर्ती धोती को पहन सकते हैं। यह आपके लुक को अट्रैक्टिव बनाएंगी। इन धोती ड्रेसेज के चलन काफी बढ़ गया है। महिलाएं धोती स्टाइल कुर्ता सेट को खरीद रही है। इसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन कहीं से भी खरीद सकती हैं, लेकिन ट्रेंडी डिजाइन की धोती



घर पर हल्दी सीरम कैसे बनाएं—
— सबसे पहले एक साफ कटोरी में हल्दी डालें।
— अब इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं।
— साथ ही, इसमें गुलाब जल डालें ताकि सीरम हल्का और हाइड्रेटिंग बने।
— अब एक विटामिन ई कैप्सूल तोड़कर उसमें से तेल निकालें और मिलाएं।
— अगर आपकी स्किन रुखी है, तो इसमें कुछ बूंदें ग्लिसरीन या जोजोबा ऑयल डालें।
— इसे अच्छी तरह मिक्स करें। आपका सीरम बनकर तैयार है।



होता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन, विटामिन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो बच्चों को शरीर की ग्रोथ में मदद करते हैं। बाजरे की खिचड़ी बच्चे को खिलाने से उनका शरीर भी मजबूत होता है।
नोट: यदि आपका बच्चा 6 महीने से ऊपर है तो आप उसे बाजरे की खिचड़ी खिला सकते हैं। इससे उनके शरीर का शारीरिक और मानसिक विकास होगा।

धोती कुर्ता फिर से ट्रेंड में, त्योहारों पर पाएं सबसे स्टाइलिश और क्लासी लुक

कुर्ता आपको ऑनलाइन ही मिलेंगे।

सिल्क ब्लेंड फ्यूजन कुर्ता धोती सेट

अपने लुक को क्लासी बनाने के लिए आप इस तरह का मोटिपस सिल्क ब्लेंड फ्यूजन कुर्ता धोती सेट खरीद सकते हैं। यह आपके लुक को डिफरेंट बनाएंगा। इस तरह की ड्रेस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगी। यह कुर्ता धोती सेट एकदम रॉयल लुक देगा। इसको आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन भी खरीद सकती हैं।

प्रिंटेड धोती कुर्ता सेट

दिवाली या फिर किसी खास फंक्शन के लिए आप प्रिंटेड धोती कुर्ता सेट पहन सकते हैं। यह आपकी खूबसूरती को निखार देगा। इस तरह की ड्रेसेस पहनकर आप किसी हीराइन से कम नहीं लगेंगी। सब लोग आपकी ड्रेसेज की तारीफ करेंगे। प्रिंटेड धोती कुर्ता सेट को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकते हैं।



— इसे एक छोटे एयरटाइट कांच के बोतल में भरकर फ्रिज में रखें।
— 10—12 दिनों के भीतर इस्तेमाल कर लें।
हल्दी सीरम किस तरह इस्तेमाल करें
— सीरम लगाने के लिए सबसे पहले चेहरा अच्छी तरह साफ करें।
— अब उंगलियों पर सीरम की 2—3 बूंदें लें।
— हल्के हाथों से गोल—गोल मसाज करें।
— करीबन 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।
— फिर अपने चेहरे को वॉश कर लें।
— आप इस सीरम को हफ्ते में 3—4 बार इस्तेमाल करें।

सक्षिप्त



स्टारलिंग पर कड़ी शर्तें लगाए सरकार, कूटनीति फाउंडेशन ने जताई सुरक्षा चिंता

भारत के एक शोध संस्थान ने सरकार से विदेशी उपग्रह सेवा प्रदाताओं पर कड़ी और ऐसी शर्तें लगाने का आग्रह किया है, जिनसे कोई समझौता न किया जाए। समूह का कहना है कि एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की स्टारलिंग सेवा अमेरिका को संचार बुनियादी ढांचे पर रणनीतिक बढ़त दे सकती है और भारत की प्रौद्योगिकी संप्रभुता को कमजोर कर सकती है। कूटनीति फाउंडेशन की नवंबर, 2024 में प्रकाशित और अक्टूबर, 2026 में अद्यतन रिपोर्ट में स्टारलिंग को स्पष्ट रूप से भू-राजनीतिक नियंत्रण का एक माध्यम बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड अब केवल एक व्यावसायिक सेवा नहीं रह गया है, बल्कि सैन्य शक्ति, खुफिया जानकारी जुटाने और भू-राजनीतिक प्रभाव का एक महत्वपूर्ण साधन बनता जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को देश के भीतर डेटा के प्रवाह, नेटवर्क तक पहुंच और आपात स्थिति में सेवाएं बंद करने की क्षमता पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहिए। इसके साथ ही देश में अपनी उपग्रह प्रणाली विकसित करने की प्रक्रिया तेज करनी चाहिए। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के स्वामित्व वाली स्टारलिंग पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित उपग्रहों के जरिये इंटरनेट सेवा देती है। यह सेवा खास तौर पर उन दूरदराज के इलाकों के लिए उपयोगी है, जहां मोबाइल नेटवर्क और ब्रॉडबैंड केबल लगाना मुश्किल या महंगा है। स्टारलिंग 2021 से भारत में प्रवेश की कोशिश कर रही है। उसे जून, 2025 में प्रमुख लाइसेंस मिले थे और अगले महीने अंतरिक्ष नियामक भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) से अनुमति मिली थी। हालांकि, अंतिम सुरक्षा मंजूरी और स्पेक्ट्रम आवंटन लंबित होने के कारण वह अब तक भारत में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पाई है। लंबित मुद्दों में सुरक्षा मंजूरी, विदेशी निवेश की अनुमति और स्पेक्ट्रम आवंटन की व्यवस्था शामिल हैं। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या उपग्रहों के बीच सीधे संपर्क की सुविधा के जरिये भारत का डेटा घरेलू गेटवे को दरकिनार कर बाहर भेजा जा सकता है। सेवा शुरू होने में देरी से नाराज मस्क ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि “प्रभावशाली कारोबारी समूह” स्टारलिंग को भारत में प्रवेश करने से रोक रहे हैं।

रुपये में तेज उतार-चढ़ाव रोकने को RBI के प्रयास रहेंगे जारी, बोली निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि पिछले डेढ़ साल में रुपये के मूल्य में खासी गिरावट आई है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) घरेलू मुद्रा में अत्यधिक उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के प्रयास जारी रखेगा। सीतारमण ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 कार्यक्रम में कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर पहुंच गया है और आरबीआई अपने नियामकीय अधिकारों का इस्तेमाल कर घरेलू मुद्रा में स्थिरता बनाए रखने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, आरबीआई रुपये का मूल्य तय करने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि उसमें उतार-चढ़ाव रोकने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए आरबीआई की ओर से काफी प्रयास किए जा रहे हैं। ये प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। हम चाहेंगे कि रुपया अपना मूल्य खुद तय करे। रुपये में गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक ने सप्ताहांत में कई उपायों की घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के लिए एक विशेष सुविधा शुरू करने की घोषणा की, जिससे डॉलर की उनकी मांग हाजिर बाजार से हट सकेगी। इसके अलावा, रुपये से जुड़ी सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कारोबार के नियम भी कड़े किए गए। आरबीआई ने बैंकों से दो लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की डॉलर खरीद पर 20 प्रतिशत का आरक्षित प्रावधान करने को भी कहा है। सीतारमण ने कहा कि आरबीआई के हाल के उपायों से रुपये को समर्थन मिला है। सोमवार को रुपये के मूल्य में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मंगलवार को भी शुरुआती कारोबार में रुपया मजबूत होकर 94.96 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, “मुझे भरोसा है कि आरबीआई रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव रोकने के लिए आगे भी कदम उठाएगा।” उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है और देश के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। वित्त मंत्री ने कहा कि रुपये में उतार-चढ़ाव की प्रमुख वजह बाहरी चुनौतियां हैं, जबकि सरकार देश के भीतर व्यापक आर्थिक बुनियादी कारकों को मजबूत बनाए रखने के लिए काम कर रही है।

परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए एआई का इस्तेमाल जरूरी : नंदन नीलेकणि

इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि ने मंगलवार को कहा कि प्रश्नपत्र लीक होने की समस्या का व्यवस्थित तरीके से समाधान किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने इससे निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की वकालत की। राष्ट्रीय राजधानी में ‘ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026’ में नीलेकणि ने कहा कि परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की समस्या का समाधान संभव है और इसके लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल जरूरी है। उन्होंने कहा, “अगर हम इस समस्या को व्यवस्थित तरीके से देखें, इसके मूल कारणों तक पहुंचें और समाधान के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें, तो इन समस्याओं को हल किया जा सकता है।” नीलेकणि ने कहा, “ये सभी व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं हैं, जिनका समाधान हमारी समिति करेगी। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री हमारे सुझावों को लागू करने के लिए काफी उत्सुक हैं।” नीलेकणि परीक्षा सुधारों पर गठित उच्चस्तरीय कार्यबल के प्रमुख हैं। इस कार्यबल का गठन जुलाई में किया गया था। मई में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद चिकित्सा प्रवेश परीक्षा रद्द कर दी गई और फिर दोबारा परीक्षा करानी पड़ी थी। इस घटना के बाद देशभर में कई सप्ताह तक छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे। इन प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था।

खेल

शुभमन गिल का ऐतिहासिक रिकार्ड, 5वां आईसीसी अवार्ड जीतकर हेले मैथ्यूज़ की बराबरी की

भारत के शुभमन गिल और शैफाली वर्मा को सितंबर 2026 के लिए ICC मेन्स और विमेन्स प्लेयर ऑफ़ द मंथ चुना गया है। भारत के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान ने अपनी जीत का रिकॉर्ड बढ़ाकर पाँच कर लिया है, जबकि शैफाली को यह सम्मान दूसरी बार मिला है। खास बात यह है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार वनडे सीरीज के बाद गिल को पहचान मिली। 27 साल के इस खिलाड़ी ने दो यादगार पारियां खे लीं; तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे में 110 रन बनाकर भारत को आठ विकेट से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने 133 गेंदों पर 223 रन बनाए, जो वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक था। इस मैच में भारत ने 406 रन का लक्ष्य आठ विकेट और 39 गेंदें बाकी रहते हुए हासिल किया। ICC के अनुसार, गिल ने कहा कि अपना पांचवां ICC प्लेयर ऑफ़ द मंथ

अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मैं इस सम्मान के लिए पेनल का आभारी हूँ। इतने रन बनाना बहुत संतोषजनक था और घरेलू दर्शकों के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका समर्थन हमेशा हमें अतिरिक्त जोश देता है। उनकी इस नई कामयाबी ने उन्हें वेस्ट इंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज़ के बराबर ला खड़ा किया है, जिन्होंने भी यह अवॉर्ड पांच बार जीता है। वहीं, गिल को इससे पहले जनवरी और सितंबर 2023, और फिर फरवरी और जुलाई 2025 में यह सम्मान मिला था। दूसरी ओर, महिला एशिया कप और एशियाई खेलों में भारत की जीत में शेफाली के योगदान की वजह से उन्हें महिलाओं का अवॉर्ड मिला। यह दोहरी जीत पांचवीं बार है जब एक ही नेशनल बोर्ड के खिलाड़ियों ने दोनों महीने के सम्मान जीते हैं। भारतीय क्रिकेटरों ने यह कारनामा तीन बार किया है – जून 2024 में जसप्रीत बुमराह



और स्मृति मंधाना, और सितंबर 2025 में अभिषेक शर्मा और मंधाना के बाद। शेफाली को पहचान दो मल्टी-टीम टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली। वह महिला एशिया कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली

खिलाड़ी रहीं; उन्होंने 184.61 के स्ट्राइक रेट से 360 रन बनाए और छह विकेट भी लिए। एशियन गेम्स में, इस ओपनर ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक लगाया और फिर फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 48 रन

बनाए। शेफाली ने कहा, ICC प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड दोबारा जीतना बहुत बड़े सम्मान की बात है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना योगदान देना बहुत संतोषजनक था, और इस अवॉर्ड को जीतने से वे जीत

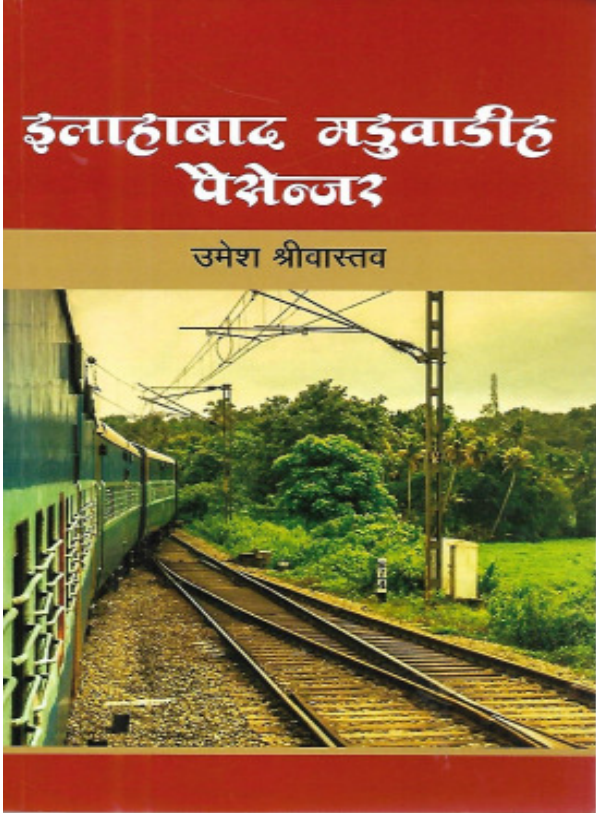
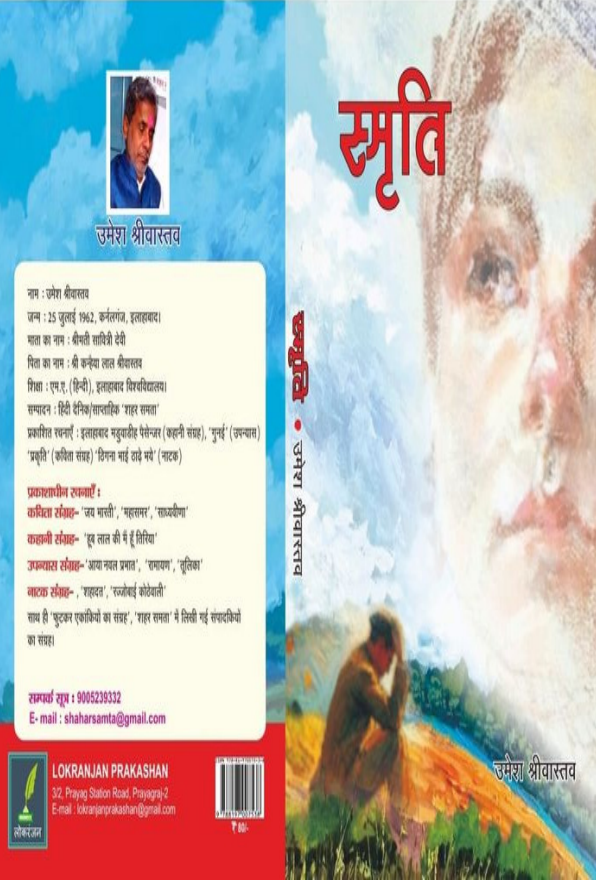
और भी खास हो जाती हैं। शेफाली ने इससे पहले पिछले साल नवंबर में नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वर्ल्ड कप फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद यह अवॉर्ड जीता था।

रायपुर में ज़िम्बाब्वे रीज से पहले स्मृति मंधाना ने बतौर फुल टाइम कप्तान शुरू की तैयारी

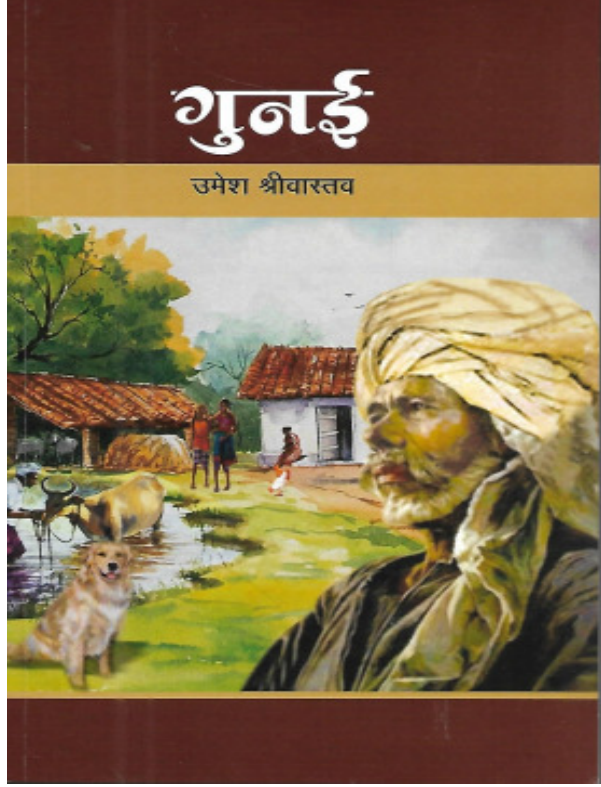
भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई फुल-टाइम कप्तान स्मृति मंधाना ने रायपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ T20I सीरीज से पहले अपनी पहली ट्रेनिंग की। हरमनप्रीत कौर के कप्तानी छोड़ने के बाद मंधाना के नेतृत्व में भारतीय टीम घरेलू सीरीज खेलेगी। मंधाना हाल ही में एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक विजेता टीम की शीर्ष स्कोरर रही हैं।

भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम की फुल-टाइम कप्तान के तौर पर अपना पहला ट्रेनिंग सेशन किया। हरमनप्रीत कौर के कप्तानी छोड़ने के बाद, टीम इंडिया जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन ८20+ और वनडे

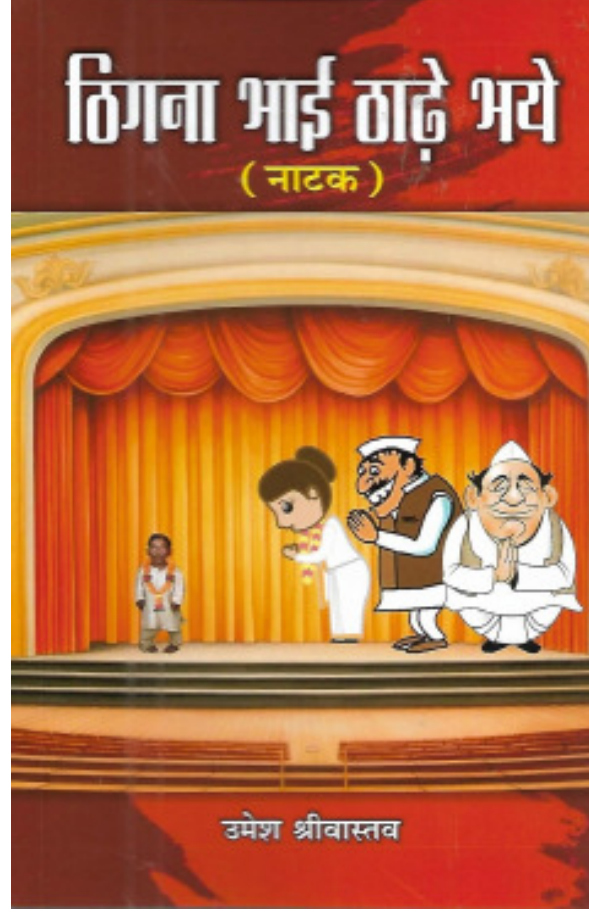
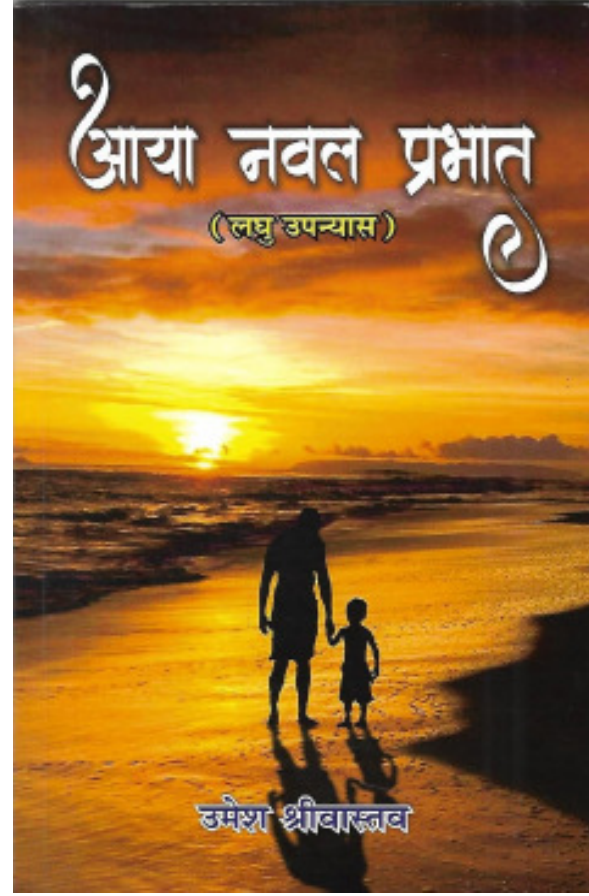
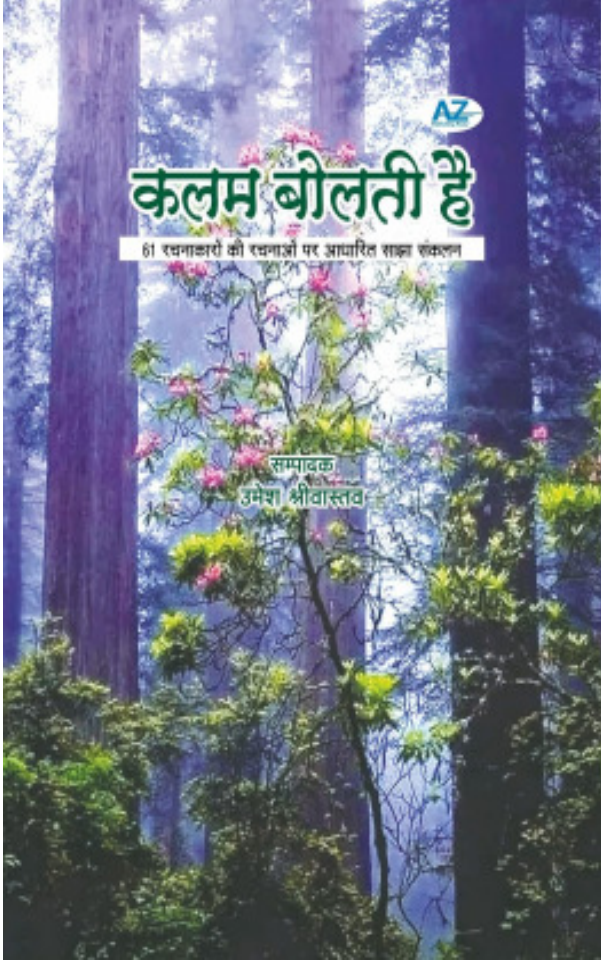
इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के साथ रश्मति युगर्श की शुरुआत करेगी। मंधाना, जिन्होंने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को दो बार विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जिताया है, ने इस साल बड़ी कामयाबी हासिल की है और कई रिकॉर्ड बनाए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें उनकी बैटिंग प्रैक्टिस और नई लीडरशिप भूमिका में ट्रेनिंग सेशन की झलक दिखाई गई है। मंधाना ने हाल ही में एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जहाँ हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने अपना गोल्ड मेडल सफलतापूर्वक बचाया; यह फुल-टाइम कप्तानी संभालने से पहले मंधाना का आखिरी टूर्नामेंट था। फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रनों से हराया, जिसमें



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बुल्गारिया तट के पास दो जहाजों पर ड्रोन हमला, एक डूबा

बुल्गारिया के प्रधानमंत्री रुमेन रादेव ने बताया कि मंगलवार तड़के काला सागर में बुल्गारिया के तट के पास दो जहाजों पर ड्रोन से हमला किया गया, जिससे एक जहाज डूब गया और आपातकालीन बचाव अभियान शुरू करना पड़ा। रादेव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि एक जहाज ‘चेल्सी 3’ के चालक दल के सभी 15 सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। मास्टा के झंडे वाले इस जहाज पर सवार पांच लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार किया जा रहा है। चालक दल में यूक्रेन के सात और अजरबैजान के आठ नागरिक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जहाज के डेक और बाहरी ढांचे पर तीन हवाई ड्रोन से हमला किया गया। रादेव ने बताया कि डूबे हुए जहाज के चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है। हालांकि, उन्होंने जहाज पर सवार अन्य लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। दोनों जहाजों पर हमले बुल्गारिया के तट से क्रमशः 29 और 27.5 किलोमीटर दूर हुए। मंगलवार को बुल्गारिया की सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में रादेव ने इन हमलों को “पूरी तरह अस्वीकार्य” बताया और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) तथा यूरोपीय संघ से सहायता मांगी। रादेव ने कहा कि हालांकि, अधिकारियों के पास इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि ड्रोन हमलों के लिए कौन जिम्मेदार है, लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि तर्क यही संकेत देते हैं कि इन घटनाओं के पीछे रूसी संघ हो सकता है। रूस ने मंगलवार की घटना पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को बातचीत के लिए बुल्गारिया में रूस की राजदूत एलेनोरा मित्रोफानोवा को तलब करेंगे। ये हमले उस घटना के ठीक एक सप्ताह बाद हुए हैं, जब काला सागर में बुल्गारिया के विशेष आर्थिक क्षेत्र में दो अन्य वाणिज्यिक जहाजों पर समुद्री और हवाई ड्रोन से हमला किया गया था।

इससे एक दिन पहले, तुर्किये के स्वामित्व वाला एक मालवाहक जहाज ड्रोन हमले के बाद आग की चपेट में आ गया और बाद में रोमानिया के तट के पास काला सागर में डूब गया। रोमानिया के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक दल के 11 सदस्यों को बचा लिया गया।

स्टारलिनक उपग्रह स्टेशन में आग लगाने के पीछे रूसी खुफिया एजेंसियां, पोलैंड का दावा

पोलैंड ने सितंबर में स्टारलिनक उपग्रह स्टेशन में आगजनी की घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है और स्टेशन को नुकसान पहुंचाने के संबंध में तुर्किये के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। पोलैंड के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि संदिग्धों को जर्मनी में गिरफ्तार किया गया। पोलैंड के निजता संबंधी नियमों के कारण उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। आरोपियों पर 23 सितंबर को वारसों से करीब 40 किलोमीटर दक्षिण में स्थित वोला क्रोबोव्स्का में स्टारलिनक के बुनियादी ढांचे में जानबूझकर आग लगाने का आरोप है। खुफिया सेवाओं की निगरानी करने वाले पोलैंड के मंत्री तोमाश सिएमोनियाक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, “हमें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि उपग्रह को नुकसान पहुंचाने की इस घटना के पीछे रूसी खुफिया सेवाओं का हाथ है।” उन्होंने कहा कि रूसी खुफिया सेवाएं आपराधिक दुनिया से जुड़े लोगों का तेजी से इस्तेमाल कर रही हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में इस घटना को “हाइब्रिड युद्ध का एक और कृ त्य” बताया। इस संबंध में अन्य विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हो सके। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रॉस्को के आक्रमण के बाद से ऐसी घटनाओं पर नजर रखी है। अधिकारियों का कहना था कि इन हमलों का एक उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन कमजोर करना, यूरोपीय समाजों में भय और मतभेद फैलाना तथा जांच एजेंसियों के संसाधनों पर दबाव बढ़ाना है। रूस अक्सर ऐसे हमलों के लिए अपने सहयोगियों का इस्तेमाल करता है। कुछ मामलों में हमले करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उन्हें रॉस्को की ओर से काम पर लगाया गया है।

क्वेटा प्रेस क्लब के बाहर वीबीएमपी का धरना 6,386वें दिन जारी, परिजनों ने मांगी जानकारी

बलूचिस्तान के नुश्की और केच जिलों में 17 साल के ट्रक कंडक्टर समेत पांच लोगों को कथित तौर पर जबरदस्ती गायब कर दिया गया है। वहीं, तुर्बत में फ्रंटियर कॉर्प्स कैंप के बाहर महिलाओं ने दो लापता व्यापारियों की वापसी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, मुहम्मद आदिल को दोपहर करीब 1 बजे नुश्की में जमजमा होटल के पास FC चेकपॉइंट के नजदीक हिरासत में लिया गया था। काजीआबाद के रहने वाले आदिल के परिवार को उसके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। खान को कथित तौर पर FC, इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस और काउंटर–टेररिज्म डिपार्टमेंट के जवानों ने सुबह उनके घर से उठाया था। एक अन्य घटना में, 23 साल के शाय मुरीद जमालदीनी को कथित तौर पर २६ के जवानों ने नुश्की के किल्ली बट्टो इलाके में उनके घर से उठाया था। उनके परिवारों को युवक के ठिकाने और हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, मजार और आसिम नाम के दो व्यापारियों को कथित तौर पर सोमवार शाम करीब 6:15 बजे तुर्बत के नसीराबाद इलाके में उनकी दुकानों से उठा लिया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

सुनहरा अवसर

- ✓ **ब्यूरो प्रमुख**
- ✓ **चीफ रिपोर्टर**
- ✓ **समाददाता**
- ✓ **प्रतिनिधि मण्डल**

- **समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु**
- **क्षेत्रीय रिपोर्टिंग व समाचार कवरेज हेतु**
- **स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु**
- **जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु**

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/चीनी दोनों आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की समझ और हिन्दी लेखन कुशलता आवश्यक
- संस्कार युक्त के इच्छुक, अवसरवादी को प्राथमिकता

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !

पाकिस्तान के खैबर–परख्तूनख्वा में गर्वनर नियम लागू, इंटरनेट बंद और सड़कों पर सेना तैनात

इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन ने मंगलवार को पाकिस्तान के खैबर–परख्तूनख्वा में इमरजेंसी लागू करने की निंदा की। उन्होंने इसे सेना के समर्थन से सत्ता पर कब्जा बताया और उस इलाके में लोकतांत्रिक अधिकारों को बहाल करने की मांग की। श्घ्र पर एक पोस्ट में, फाउंडेशन ने इमरजेंसी के बाद इलाके के हालात पर कड़ी असहमति जताई, जिसमें सेना की मौजूदगी, पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी की हिरासत और इंटरनेट बंद करना शामिल है। इस आदेश को वापस लेने की अपील करते हुए, फाउंडेशन ने कहा कि अधिकारों को किसी आदेश से खत्म नहीं किया जा सकता। पोस्ट में लिखा था, सड़कों पर सैनिक, चुने हुए

मुख्यमंत्री जेल में, इंटरनेट बंदरू खैबर–परख्तूनख्वा में पाकिस्तान का इमरजेंसी शासन सेना के समर्थन से सत्ता पर कब्जा है। सोहेल अफरीदी और हिरासत में लिए गए सभी नेताओं को रिहा किया जाना चाहिए। अधिकारों को किसी आदेश से खत्म नहीं किया जा सकता। इससे पहले, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने खैबर परख्तूनख्वा में इमरजेंसी और गवर्नर शासन लागू करने के पाकिस्तान के फैसले पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि इन कदमों से मौलिक अधिकारों को नुकसान पहुंच सकता है, असहमति को दबाया जा सकता है और प्रांत में सेना की भूमिका बढ़ सकती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के दक्षिण एशिया के डिप्टी डायरेक्टर बाबू राम

लद्दाख के 28 रणनीतिक इलाकों की मैपिंग से बौरवलाया चीन, भारत ने खारिज किया दावा



नई दिल्ली के निर्णायक कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजिंग ने अपनी जानी–पहचानी बयानबाजी का सहारा लिया। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को भारतीय क्षेत्र पर दावा करते हुए आरोप लगाया कि भारत का यह कदम गैर–कानूनी है। माओ ने ग्लोबल टाइम्स के हवाले से कहा चीन ने भारत द्वारा एकतरफा और गैर–कानूनी ढंग से बनाए गए तथाकथित केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को कभी मान्यता नहीं दी है और वह भारत द्वारा तथाकथित मानक नामों की घोषणा का कड़ा विरोध करता है। यह कदम गैर–कानूनी



पंत ने कहा कि प्रांत के मुख्यमंत्री समेत प्रमुख राजनीतिक नेताओं को मनमाने ढंग से हिरासत में लेने और पूरे प्रांत में इंटरनेट सेवा बाधित होने की खबरों ने इमरजेंसी उपायों की जरूरत और उनके उचित होने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंत ने कहा इमरजेंसी के उपाय मानवाधिकारों का दमन करने,

दुष्प्रचार को बार–बार दोहराने से यह सच्चाई नहीं बदल सकती। चुनी गई 28 जगहों में इस इलाके की अहम भौगोलिक विशेषताएं शामिल हैंरू चोटियां और पहाड़रू अतिशा गिरी (चोटी), कनिष्क पीक (चोटी), करुण पीर (पहाड़), मार्तंड गिरी (चोटी), ड्रैक कार्पो (पहाड़), जोल्मोरी (पहाड़), रिचैन जंगपो (चोटी), शाक्यश्री गिरी (चोटी), मारपा लोत्सावा री (चोटी), मिलारेपा कांगरी (चोटी), शिव री (चोटी), जोरावर पीक (चोटी) और महेश्वर री (चोटी)। दर्े और ग्लेशियररू चापचिंगल दर्रा (दर्री), शचमिर्क दर्रा (दर्री), पारपिक (ग्लेशियर) और स्कमरी ग्लेशियर (ग्लेशियर)। जमीन के इलाके: ब्रांगसा लैंड (इलाका), कुकसेल (जमीन का इलाका), डेहरा कंपास (जमीन का इलाका), गोगरा (जमीन का इलाका), कुमारयण पॉइंट (जमीन का इलाका), पांगलुंग (जमीन का इलाका) और शामिल लुंगपा (जमीन का इलाका)। घाटियां और जल स्रोतरू श्कोर्गा घाटी (घाटी), गुरु रिपोचे (झील), यांगपा नदी (नदी) और हॉट स्प्रिंग (जल स्रोत)।

ना मतलब ना! US ने मानी शर्तेें, फिर भी क्यों अड़ा ईरान ?

अधूरी शर्तें तेहरान को कतई मंजूर नहीं। ईरान ने अमेरिका के सामने साफ सुथरी सात शर्तें रखी थी। क्तर के रास्ते कूटनिक संदेशों का आदान–प्रदान तो हुआ। अमेरिका ने कतर के जरिए जवाब भी भेजा लेकिन रजाई के मुताबिक अमेरिका ने कुछ शर्तें तो मानी मगर मुख्य मुद्दों पर चुप्पी साध ली। तेहरान ने अब कतर और अमेरिका दोनों को दो टुकचु संदेश दिया है। जब तक जून के इस्लामाबाद समझौते के आधार पर हमारी सभी सात शर्तें पूरी नहीं मानी जाती तब तक ना तो होर्मुज का रास्ता खुलेगा ना ही किसी जहाज को गुजरने दिया जाएगा और ना ही अमेरिका के साथ कोई नई बातचीत की जाएगी। रॉयटर्स के हवाले से आ रही रिपोर्टों के मुताबिक कतर के बैंक डोर कूटनीतिक गलियारों में असली लड़ाई इस बात की नहीं कि शर्तें क्या है बल्कि विवाद इस बात पर अड़ा है कि पहले कौन कदम उठाएगा। ईरानी संसद के स्पीकर मुहम्मद बाकरि

कालिबाफ ने 4 अक्टूबर को ही अमेरिका की ईंट से ईंट बजाते हुए चेतावनी दी थी कि वाशिंगटन अपनी एकतरफा मांगों के जरिए बातचीत को लंबा नहीं खींच सकता। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने



उन सभी अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों की धज्जियां उड़ाई जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान प्रतिबंध हटाने के बदले संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी को जहाज की इजाजत देने पर राजी हो गया है।

बकाई ने साफ कहा हम अमेरिका के साथ अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं। हमारी पहली और एकमात्र प्राथमिकता होमज में अपनी सुरक्षा और प्रभुत्व बहाल करना है। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इसराइल द्वारा ईरान पर किए गए

संघीय कैबिनेट की उन सिफारिशों को मंजूरी दी, जिनके तहत पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232 के तहत इमरजेंसी और अनुच्छेद 234 के तहत गवर्नर शासन लागू किया जाना था। सरकार ने प्रांत में प्घातंकवादी हमलों की अभूतपूर्व हिसा और प्खंवैधानिक व्यवस्था के ठप होने का हवाला दिया। इमरजेंसी के प्रावधान पाकिस्तान की संघीय विधायिका को प्रांत से जुड़े कानून बनाने और मौलिक अधिकारों – जैसे इकट्ठा होने, संगठन बनाने और अभिव्यक्ति की आजादी – पर प्रतिबंध लगाने की इजाजत देते हैं। राष्ट्रपति की अधिसूचना के तहत, संघीय संसद प्रांतीय विधानसभा की शक्तियों का इस्तेमाल करेगी।

ताइपे मेयर चुनाव में चीनी दखल का खतरा, डीपफेक से वोटर भड़काने की तैयारी

चीन के यूनाइटेड फ्रंट ऑपरेशन्स की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी के अनुसार, चीन ताइवान में होने वाले ताइपे मेयर चुनाव को प्रभावित करने के लिए इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर (सूचना युद्ध) को तेज कर सकता है। बीजिंग जनमत को प्रभावित करने के लिए डीपफेक वीडियो, नकली ऑनलाइन अकाउंट और खास तौर पर फैलाई गई गलत जानकारी का सहारा ले सकता है। श्द ताइपे टाइम्सर् की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी ने चेतावनी दी कि जैसे–जैसे राजनीतिक प्रभाव डालने के पारंपरिक तरीके मुश्किल होते जा रहे हैं, बीजिंग डिजिटल तरीकों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकता है। द ताइपे टाइम्स के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि आगामी स्थानीय चुनावों में चीन से आए प्रवासियों के जीवनसाथी (पति या पत्नी) बहुत कम संख्या में चुनाव लड़ रहे हैं और कोई बड़ा देशव्यापी अभियान भी नहीं चलाया जा रहा है, जिससे इन समुदायों के जरिए लोगों को सीधे लामबंद करने की चिंता कम हो गई है। इसके बजाय, असली खतरा उस चीज से है जिसे अधिकारी श्कोग्निटिव वॉरफेयरर् (मानसिक या वैचारिक युद्ध) कहते हैं; इसका मकसद वोटरों की सोच को प्रभावित करना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनके भरोसे को कमजोर करना है। अगले महीने होने वाले स्थानीय चुनावों के लिए चीन से आए प्रवासियों के पच्चीस जीवनसाथियों ने उम्मीदवार के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराया है। खबरों के मुताबिक, चार लोग इस बात का सबूत नहीं दे पाए कि उन्होंने चीन में अपना मूल घरेलू रजिस्ट्रेशन छोड़ दिया है, जबकि सात लोगों ने जरूरी कागजात एक दशक से भी कम समय पहले जमा किए थे, जिससे वे चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गए। चीनी मूल की महिला शू चुनहिंग को अगस्त में सात साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद, बीजिंग के कथित राजनीतिक प्रभाव वाले अभियानों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्हें धोखाधड़ी, चीनी नागरिकों को ताइवान में अवैध रूप से प्रवेश कराने में मदद करने और बीजिंग के इशारे पर ताइवान की राजनीति को प्रभावित करने का दोषी ठहराया गया था। द ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, शू पहले क्रॉस–स्ट्रेट मैरिज एंड फेमिली सर्वि्स अलायंस की महासचिव थीं, जिसे ताइवान के गृह मंत्रालय ने मई में भंग कर दिया था। अधिकारियों का कहना है कि शू को दोषी ठहराए जाने और संगठन के भंग होने से बीजिंग के लिए राजनीतिक दखलंदाजी की कोशिशों में चीनी जीवनसाथियों को बिचौलिये के तौर पर इस्तेमाल करना मुश्किल हो सकता है। हालाँकि, द ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों को अब भी चिंता है कि चीन चुनाव प्रचार के दौरान चुनिंदा उम्मीदवारों की छवि खराब करने और वोटरों को प्रभावित करने के लिए जटिल ऑनलाइन अभियानों का सहारा ले सकता है।

पाकिस्तान के पंजाब में ‘रहमान बाबा एक्सप्रेस’ बेपटरी, 5 यात्रियों की मौत, 30 घायल

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह पांच बजकर 15 मिनट पर उस समय हुआ जब ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी। ‘रहमान बाबा एक्सप्रेस’ मुल्तान में शेर शाह पुल के पास पटरी से उतर गई। ‘जियो न्यूज’ ने पुलिस और राहतकर्मियों के हवाले से खबर में बताया कि घायलों को इलाज के लिए मुल्तान के निश्तार अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि दुर्घटनास्थल पर राहत व बचाव कार्य जारी है।

नई व्यवस्था के तहत, मुख्यमंत्री और प्रांतीय कैबिनेट के सदस्य – जिनमें मंत्री, सलाहकार और विशेष सहायक शामिल हैं। अपने पद पर नहीं रहेंगे। इसके बाद, रविवार को पुलिस ने स्वाबी ज़िले में कई जगहों पर छापेमारी की ताकि पाकिस्तान तहरीक—ए–इंसाफ़ (छ्त्र) के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किय जा सके और उस बड़ी रैली को रोका जा सके जिसे खैबर परख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी रज़ार तहसील के शेवा अड्डा इलाके में संबोधित करने वाले थे। खैबर परख्तूनख्वा में गवर्नर शासन और इमरजेंसी लागू होने के तुरंत बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम और पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़
संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव
शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
 यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।